16 नवंबर 2026
सोमवार, रायपुर
वर्ष : 26 अंक : 272
पृष्ठ : 12 मूल्य ₹ 2.00
RNI NO. CHH HIN/2001/05596

सुप्रभात रायपुर

दैनिक प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी
pratidincg@gmail.com
+91 98060 44444

E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in

रायपुर
चैतन्य बघेल से जुड़ी संपत्ति पर ... 03 पृष्ठ

खेल
भारत ने न्यूजीलैंड को पांचवें वनडे में 22 ... 07 पृष्ठ

व्यापार
कोचीन शिपयार्ड, पीएफसी ... 08 पृष्ठ

देश
जनजातीय गौरव दिवस पर संसद ... 11 पृष्ठ

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

संक्षिप्त समाचार



बिहार में श्रद्धा और उल्लास के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, छठ घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

पटना। लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को बिहार में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान राजधानी पटना सहित राज्य के विभिन्न जिलों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक छठ गीतों, दीपों की रोशनी और छठी मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए व्रती दिनभर निर्जला उपवास रखने के बाद शाम को परिवार के सदस्यों के साथ छठ घाटों पर पहुंचे। उनके हाथों में पूजा सामग्री से सजे दउरा और सूप थे। इनमें मौसमी फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना और अन्य पारंपरिक प्रसाद रखे गए थे।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा,आंध्र प्रदेश से ओडिशा तक भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के मौसम में एक साथ कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उत्तर भारत में जहां ठंड और कोहरे का प्रभाव बढ़ने लगा है, वहीं बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा मौसमी सिस्टम चक्रवाती तूफ़ान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते दक्षिण और पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने विभिन्न राज्यों के लिए बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफ़ान को लेकर चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना स्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र अब गहरे निम्न दबाव के बाद दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है। इसके सोमवार को दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफ़ान में बदलने की संभावना है।

इंस्टाग्राम-फेसबुक और अहंकार का नशा भी खतरनाक, इनसे बचना जरूरी : डॉ भागवत

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बदलते सामाजिक परिवेश में नशे के नए स्वरूपों पर चिंता जताते हुए कहा कि नशा केवल रासायनिक पदार्थों का ही नहीं होता, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक का नशा, प्रसिद्धि का नशा तथा जाति, राज्य और भाषा का नशा भी व्यक्ति और समाज के लिए घातक है। इन सभी तरह के नशों से दूर रहने वाला व्यक्ति ही सुखी जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए पूरे समाज को मिलकर प्रयास करना होगा।

डॉ भागवत रविवार को जोधपुर के श्री राजाराम आश्रम, शिकारपुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जोधपुर प्रांत की ओर से शताब्दी वर्ष के पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रांत घोष वर्ग मरु निनाद के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान, भय और हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का नया वातावरण : नितिन नवीन

जनजातीय समाज का सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि हमारी सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय



बस्तर में बदल रही तस्वीर : नितिन नवीन



नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी बंदूकों की आवाज सुनाई देती थी, वहां आज खेल के मैदान बन रहे हैं। युवा शिक्षा, खेल और कौशल के माध्यम से अपने भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक में डेढ़ लाख से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी इस बदलाव का प्रमाण है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं में सफलता भी जनजातीय क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार को दर्शाती है।

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अपनी संस्कृति, स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महान जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने रविवार को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही।

राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की पावन धरती है। श्री नवीन ने कहा कि उनकी हार्दिक इच्छा इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की थी, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके।

श्री नवीन ने मुख्यमंत्री को भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव और आत्मसम्मान का वातावरण निर्मित किया है।

उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देश के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री नवीन ने कहा कि जनजातीय समाज सदैव भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की जनजातीय परंपरा आज पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है।

कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी मिलेगी पूरी सहायता राशि



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। इससे विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के लघु एवं सीमांत किसानों को लाभ होगा।

उन्होंने बताया कि 15 नवंबर से प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी प्रारंभ हो गई है।

गरीबी से मुक्ति और नक्सलवाद का अंत देश की दो बड़ी उपलब्धियां : पीएम मोदी



नई दिल्ली, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि इस वर्ष जब देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है, तब देश के पास दो बड़ी उपलब्धियां हैं। इनमें गरीबी से मुक्ति और नक्सलवाद-माओवादी आतंक का अंत शामिल है। ये दोनों उपलब्धियां जनजातीय समाज से भी गहराई से जुड़ी हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गढ़चिरौली समेत देश के तमाम जनजातीय क्षेत्रों में नक्सली हिंसा ने सबसे अधिक नुकसान आदिवासी समुदाय को पहुंचाया है। वर्ष 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवाद और नक्सलवाद से प्रभावित थे। इन क्षेत्रों में हर साल हिंसा की सैकड़ों घटनाएं होती थीं और हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती थी। इनमें बड़ी संख्या आदिवासी भाई-बहनों की थी।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की पिछली परिस्थितियों और वहां के लोगों की पीड़ा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि माओवाद और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में जनजातीय समाज को लंबे समय तक उसके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनके अधिकार छीन लिए गए थे और वे अपनी बात तक नहीं रख पाते थे। इन इलाकों में लोगों को मतदान करने से रोका जाता था, लेकिन तत्कालीन सरकारें मूकदर्शक बनी रहती थीं।

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिता स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट पृथ्वी पर लौटा

एजेंसी, वाशिंगटन



अंतरिक्ष में 22 घंटे बिताने के बाद शनिवार को स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट वापस पृथ्वी पर लौटा। पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते समय इसने भीषण गर्मी झेली और टेक्सास गल्फ कोस्ट स्थित अपने लॉन्च साइट की ओर बढ़ा। आखिरी पल में रॉकेट सीधा खड़ा हो गया और लॉन्च गैंट्री पर लगी दो विशाल मैकेनिकल भुजाओं की पकड़ में आ गया।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पास में मौजूद स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने खुशी से तालियां बजाईं। रॉकेट ने अपने छह मीथेन-ईंधन वाले रैप्टर इंजनों में से तीन को फिर से चालू किया ताकि वह सीधा खड़ा हो सके। इसकी गति तेजी से कम हुई और यह लगभग हवा में स्थिर हो गया, तभी रोबोटिक भुजाओं ने इसे जकड़ लिया। इंजन बंद होने से ठीक एक पल पहले रॉकेट को पकड़ लिया गया।

स्पेसएक्स की कमेंटेटर जेसी एंडरसन ने कहा, यह देखना वाकई अद्भुत है! हमारी आंखों के सामने इंजीनियरिंग का एक बेहद शानदार और ऐतिहासिक कारनामा हुआ है। स्पेसएक्स की हमारी टीम और स्टारशिप प्रोग्राम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को बधाई।

ऑर्बिट से स्टारशिप को वापस लाने की यह पहली घटना है। इससे पहले की टेस्ट फ्लाइट्स समुद्र में उतरने के साथ खत्म होती थीं। यह स्पेसएक्स के उस लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसके तहत वे पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल होने वाला ऑर्बिट-क्लास रॉकेट विकसित कर रहे हैं।

नर्सिंग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर के आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले की ग्राम पंचायत आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आरा में स्थापित यह संस्थान विशेष रूप से जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की बेटियों के लिए आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की नई राह खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। मरीजों की देखभाल, उनके उपचार और जीवन की रक्षा में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से पूरी लगन, अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।





मोदी की गारंटी के सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त उद्यम प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर छात्राओं का प्रवेश पूर्ण हो चुका है। विशेष बात यह है कि यहां अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत छात्राएं जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं।



एजेंसी, नई दिल्ली

भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियां 14 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश के नामसाई स्थित गोल्डन पैगोडा पहुंचीं। राज्य में इनके प्रदर्शन का यह तीसरा और अंतिम चरण है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक (सेवानिवृत्त) ने नामसाई में अस्थियों का स्वागत किया। श्रद्धालु 20 नवंबर तक गोल्डन पैगोडा में इनके दर्शन कर सकेंगे।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, पवित्र अस्थियों को नालुंग हेलीपैड पर औपचारिक रूप से प्राप्त करने के बाद गोल्डन पैगोडा (कोंगमु खाम) में स्थापित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री चौना मीन, राज्य के मंत्री, जनप्रतिनिधि और बौद्ध धर्मगुरु मौजूद रहे। इसके बाद राज्यपाल ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि पवित्र अस्थियां भगवान बुद्ध के जीवन, ज्ञान प्राप्ति और उनकी शाश्वत शिक्षाओं का प्रतीक हैं।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार... 3,095 उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए व्यापक व्यवस्था

33 जिलों के 1,606 केंद्रों में शुरू हुआ उपार्जन अब तक 1.98 लाख क्विंटल धान की खरीदी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने धरमजयगढ़ पहुंचे और खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। राज्य सरकार ने इस वर्ष किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की व्यवस्था की है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादन वाले जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रदेश के 3,095 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की व्यापक व्यवस्था



राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ विपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के 33 जिलों में कुल 3,095 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। 15 नवंबर 2026 की स्थिति में इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है।

धान खरीदी में बालोद और राजनांदगांव जिले सबसे आगे

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीदी की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बालोद जिले में 161 उपार्जन केंद्रों में से सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हो गई है। यहां अब तक सर्वाधिक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है।

बीएन साहा डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति को भेंट की सोहराई पेंटिंग

एजेंसी, गिरिडीह



बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष बाल दिवस झारखंड के गिरिडीह स्थित बीएन साहा डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के लिए यादगार बन गया। स्कूल के विद्यार्थियों को राष्ट्रपति सचिवालय के आमंत्रण पर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करने और उनके साथ बाल दिवस मनाने का अवसर मिला।

शनिवार, 14 नवंबर को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने स्कूली बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को पूरे लगन, समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्हें देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर बीएन साहा डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्रा श्रीजय रॉय ने राष्ट्रपति को स्वयं बनाई झारखंड की पारंपरिक सोहराई पेंटिंग भेंट की। इसके अलावा उन्होंने कट पेंसिल से राष्ट्रपति का बनाया हुआ चित्र भी उन्हें उपहार स्वरूप दिया। राष्ट्रपति ने छात्रा की कलात्मक प्रतिभा की सराहना की और सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्र म के दौरान राष्ट्रपति के साथ विद्यार्थियों का फोटो सेशन भी हुआ। इस मुलाकात ने बच्चों के लिए बाल दिवस को विशेष और अविस्मरणीय बना दिया।

इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य सचिन गर्ग ने बताया कि विद्यार्थियों को राष्ट्रपति से मुलाकात का अवसर दिलाने में राष्ट्रपति सचिवालय के साथ-साथ गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव और राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद का सराहनीय योगदान रहा। उन्होंने इस अवसर को विद्यार्थियों के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी बताया।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444

विष्णुदेव की सरकार में धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था - अशोक बजाज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)





जिला पंचायत व अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश भाजपा कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने धान खरीदी केंद्र रवेली, परसदा एवं सकरी में धान खरीदी तिहार में शामिल हुए तथा विधि विधान से पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल है, किसान हितैषी विष्णुदेव सरकार ने इस वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था की है , इससे किसानों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ेगा। नए प्रावधान के तहत जो कृषक कम उत्पादन होने की वजह से पूरा धान नहीं बेच पायेंगें उन्हें भी अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संतोष शुक्ला युवा मोर्चा के महामंत्री ज्ञान प्रकाश चंद्राकर, प्राधिकृत अधिकारी पारसमणी साहू, जगदीश साहू ,अनिल साहू, डॉ राजेन्द्र ठाकुर, हरीश वर्मा, मनीष साहू, शुभम साहू, ओमप्रकाश साहू, नेहरू साहू, नामदेव साहू, अर्जुन धीवर, कृष्णकांत नामदेव, हेमंत तारक, संदीप दीवान, कोमल सोनकर, मानसिंह, कुँवरसिंह, नरोत्तम साहू, दूजराम साहू, मुकेश खुटियारे, हरेंद्र अग्रवाल , पुनाराम वर्मा, दुलीचंद साहू , प्रेम नारायण निषाद, गोकुल निर्मलकर, रामेश्वर निषाद, दिनेश साहू, विशेश्वर कश्यप, सीताराम साहू, विजय साहू, बी आर साहू आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने तपकरा में छठ महापर्व पर दिया संध्या अर्घ्य, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को जशपुर जिले के तपकरा में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने तपकरा में छठ घाट निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुनकुरी में 5 करोड़ रुपए की लागत से छठ घाट का सौंदर्यीकरण किया गया है, वहीं दराखारिका में 4 करोड़ रुपए की लागत से नए छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, तपस्या और समर्पण का अनुपम प्रतीक है, जो हमें प्रकृति, जल और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमती कौशल्या साय, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमन्ती साय, श्री भरत साय सहित जनप्रतिनिधि, छठ व्रती महिलाएं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वनिधि महोत्सव बना जीरो वेस्ट आयोजन की मिसाल बांस की प्लेटों और लकड़ी के चम्मचों से परोसा भोजन

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का अनूठा प्रयोग, कचरे को अलग-अलग संग्रहित कर किया गया निपटान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)





नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ष्ठ) द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में प्लास्टिक के इस्तेमाल की अनिवार्यता को चुनौती देते हुए पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल पेश की। करीब 2500 लोगों के खानपान, बीसियों फूड स्टॉलों, पेयजल और सजावट की व्यापक व्यवस्थाओं के बावजूद पूरे आयोजन में कहीं भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं हुआ। भोजन परोसने के लिए बांस की प्लेटें और लकड़ी के चम्मच अपनाए गए, तो पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों और पाउच का विकल्प तैयार किया गया। सजावट और सूचना पट्टों में भी दोबारा इस्तेमाल होने वाली सामग्री का उपयोग हुआ। यही नहीं, आयोजन के दौरान निकलने वाले कचरे को अलग-अलग संग्रहित कर उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था भी की गई। स्वनिधि महोत्सव ने नवाचार के जरिए मिसाल पेश की कि हजारों लोगों की भागीदारी वाले आयोजन भी प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल तरीके से संपन्न किए जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव में प्रदेश के लगभग 2500 पथ विक्रेताओं और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य पथ विक्रेताओं की उद्यमशीलता का सम्मान करने के साथ उन्हें आर्थिक एवं डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा शहरी अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को रेखांकित करना था।

खानपान से लेकर पेयजल तक बदली व्यवस्था

महोत्सव को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए खानपान की व्यवस्थाओं में विशेष नवाचार किया गया। बीसियों फूड स्टॉलों पर प्लास्टिक की डिस्पोजेबल प्लेटों के बजाय बांस से बनी प्लेटों और प्लास्टिक के चम्मचों की जगह लकड़ी के चम्मचों का उपयोग किया गया। प्लास्टिक के कप और गिलासों का भी इस्तेमाल नहीं हुआ। इसी तरह पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलें और पाउच उपलब्ध कराने के बजाय वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में 2500 लोगों के खाने के लिए टेबल और बेंच की व्यवस्था कर बांस की थालियों में भोजन और कागज के गिलास में पानी परोसे गए। आवश्यकता के अनुसार जैव निम्नीकरणीय और कम्पोस्ट योग्य सामग्री को प्राथमिकता दी गई। इस व्यवस्था के जरिए दिखाया गया कि बड़ी संख्या में लोगों के भोजन और पेयजल का प्रबंध एकल उपयोग प्लास्टिक के बिना भी किया जा सकता है।

महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का प्रयोग केवल खानपान तक सीमित नहीं रहा। कार्यक्रम स्थल की सजावट और सूचना पट्टों में भी ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसका दोबारा उपयोग किया जा सके। आयोजन के दौरान कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया। गीले, सूखे और अन्य अस्वीकृत अपशिष्ट को निकलने के स्थान पर ही अलग-अलग संग्रहित करने की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के बाद कचरे के उचित संग्रहण और निस्तारण के इंतजाम किए गए। अपशिष्ट की मात्रा न्यूनतम रखने के साथ पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को भी प्राथमिकता दी गई।

स्वनिधि महोत्सव में अपनाई गई इन व्यवस्थाओं ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों को पर्यावरण अनुकूल बनाने का व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत किया। आर्थिक सशक्तीकरण के उत्सव के साथ पर्यावरण संरक्षण का यह प्रयोग रायपुर में बड़े आयोजनों के लिए एक अनुकरणीय पहल के रूप में सामने आया।



राज्यपाल डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जनजातीय अस्मिता के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। लोक भवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे ।

राजनांदगांव जिले के उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाअभियान का हुआ शुभारंभ

राजनांदगांव (प्रतिदिन राजधानी)



खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में आज समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाअभियान का आगाज उमंग, उत्साह और खुशी के माहौल में हुआ। जिले के 117 धान उपार्जन केन्द्रों में पहले दिन धान खरीदी की शुरूआत की गई। धान खरीदी के प्रथम दिन 805 किसानों को टोकन जारी किए गए। किसानों ने टोकन तुंहर द्वार मोबाइल एप के माध्यम से टोकन प्राप्त किया। धान खरीदी प्रारंभ होने से किसानों में प्रसन्नता रही। किसान सुबह से ही अपना धान लेकर उपार्जन केन्द्रों में पहुंचने लगे। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

राज्य सरकार की किसान हितैषी महत्वपूर्ण निर्णय से किसानों में हर्ष व्याप्त है। अब निर्धारित अधिकतम मात्रा से कम धान बेचने वाले किसानों को भी प्रति एकड़ के मान से एकसमान 13 हजार 839 रुपए की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यदि कोई किसान प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम मात्रा में धान उपार्जन के लिए उपलब्ध कराता है, तब भी उसे प्रति एकड़ के मान से आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के किसानों, लघु एवं सीमांत कृषकों तथा जनजातीय अंचलों के किसान परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी रायगढ़ के कयाघाट में छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य में हुए शामिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी आज लोक आस्था, श्रद्धा और पवित्रता के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रायगढ़ के जूटमिल स्थित कयाघाट पहुंचे। यहां उन्होंने छठ महापर्व के तीसरे दिन आयोजित संध्या अर्घ्य में सम्मिलित होकर व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठी मइया एवं भगवान सूर्यदेव से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध लोक परंपरा, अटूट आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। सूर्य उपासना का यह पावन पर्व हमें संयम, अनुशासन, पवित्रता और समर्पण की प्रेरणा देता है। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की यह अनूठी परंपरा प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व में व्रती माताएं एवं बहनें अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के कल्याण और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ श्रद्धापूर्वक व्रत रखती हैं। यह पर्व पारिवारिक स्नेह, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे की भावना को और मजबूत करता है। छठ पूजा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ ही प्रकृति के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी देती है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति है। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का एकत्रित होना और सामूहिक रूप से भगवान सूर्यदेव की आराधना करना सामाजिक एकता एवं सद्भाव का अनुपम उदाहरण है।

एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा भव्य और आत्मीय 'दीवाली मिलन' समारोह का सफल आयोजन

पदाधिकारियों व सदस्यों ने साझा की पर्व की खुशियां



रायपुर , (प्रतिदिन राजधानी)

एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की ओर से दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार, 14 नवंबर 2026 को एक भव्य और आत्मीय 'दीवाली मिलन' समारोह का सफल आयोजन किया गया। शंकर नगर स्थित वीआईपी एस्टेट के अमान्ज़ा पूल्स नेप्च्यून में आयोजित इस कार्यक्रम में विज्ञापन जगत से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों और पदाधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ शिरकत की।

इस स्नेह मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और त्योहार की खुशियों को साझा करना तथा एक-दूसरे से संवाद स्थापित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिससे पूरे परिसर में उत्सव और उमंग का माहौल बना रहा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश दुग्गड़,उपाध्यक्ष प्रबोध जैन एवं महासचिव मनीष राज्यवर्धन के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामय समारोह में संस्था की कार्यकारिणी के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में एसोसिएशन के मेंटर्स सत्य नारायण अग्रवाल, शिवाजी मथानी, दीपक जैन, अजय जैन , पूर्व अध्यक्ष ओंकार सिंह , अफ़्सर ख़ान ,और मनमोहन पारख की विशेष एवं मार्गदर्शक उपस्थिति रही। इसके साथ ही, इंदिरा जैन , राजीव पाठक , हसन नकवी , रितेश जैन,पंकज माहेश्वरी ,उमेश बंसी, ऋषभ पारख, शंभु शर्मा ,विपिन और पंकज पंडा ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आगामी वर्षों में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तथा आपसी एकजुटता को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस को शुरू से न 'जनजाति' से, और न ही 'आदिवासी' से कोई सरोकार रहा है : महेश कश्यप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



भारतीय जनता पार्टी के सांसद महेश कश्यप ने धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 151वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस, इन दोनों ही विषयों पर सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट शेयर नहीं करने के लिए कांग्रेस के विधायकों व जिला अध्यक्षों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। श्री कश्यप ने कांग्रेस के 21 विधयकों व 27 जिला अध्यक्षों की सूची साझा करते हुए कहा कि 'जनजातीय समाज' और 'आदिवासी' को लेकर निरर्थक और षड्यंत्रपूर्ण नैरेटिव सेट करने में जुटे कांग्रेस नेताओं का जनजाति-विरोधी चरित्र बेनकाब हो गया है।

भाजपा सांसद श्री कश्यप ने दो टूक कहा कि कांग्रेस को शुरू से न 'जनजाति' से, और न ही 'आदिवासी' से कोई सरोकार रहा है। कांग्रेस का समूचा इतिहास तो जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, राजनीतिक शोषण की कलंक-कथाओं का दस्तावेज है। भाजपा ने जनजातीय समाज के गौरव को पुनर्स्थापित कर उसके सर्वतोमुखी विकास और सशक्तीकरण के जो आयाम गढ़े हैं, कांग्रेस नेताओं के पेट में इसीलिए मरोड़ उठ रहा है। श्री कश्यप ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर कांग्रेस के प्रमुख विधायकों (जिनमें बस्तर और सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं) और जिला अध्यक्षों द्वारा सोशल मीडिया पर संदेश साझा न करना आदिवासी नायकों के सम्मान के प्रति उनकी गंभीरता की कमी को दर्शाता है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया सादर नमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं जनजातीय अस्मिता के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संपूर्ण जीवन मातृभूमि की स्वतंत्रता, जनजातीय समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और संघर्ष से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका त्याग, संघर्ष और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जनजातीय समाज में सामाजिक जागरूकता, एकता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत किया। प्रकृति के संरक्षण, अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का उनका संदेश आज भी अत्यंत प्रासंगिक है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर सीएम विष्णुदेव साय का बड़ा संदेश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और आदिवासी जननायक %धरती आबा% भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश और देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राजधानी रायपुर में मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को आज राष्ट्रव्यापी स्तर पर %जनजातीय गौरव दिवस% के रूप में मनाया जा रहा है।



ˇद्यह्मश ऋ्रड्डस्र – जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल होने रायगढ़ पहुंचे ष्टरू साय, जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान का बिगुल फूंका, बल्कि जल, जंगल, जमीन और आदिवासी संस्कृति की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन हमारे आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, कला, संस्कृति और देश की आजादी में उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने का एक सशक्त माध्यम है।

छत्तीसगढ़ में विशेष आयोजनों की धूम– सीएम साय ने आगे कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में राज्य भर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी आदिवासी अंचलों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगोष्ठियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाया जा रहा है।

जनजातीय समाज के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भगवान बिरसा मुंडा के दिखाए मार्ग पर चलते हुए सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े आदिवासी परिवारों तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

चैतन्य बघेल से जुड़ी संपत्ति पर ED का नोटिस! केदार कश्यप का आया बड़ा बयान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़ी संपत्ति पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नोटिस चस्पा किए जाने के मामले में राज्य सरकार के मंत्री केदार कश्यप ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां लगातार अपना काम कर रही हैं और आने वाले दिनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि इस मामले में कौन–कौन लोग शामिल हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने शराब घोटाले को लेकर भाजपा के विपक्ष में रहने के दौरान किए गए विरोध प्रदर्शनों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी, तब शराब घोटाले के मुद्दे पर तत्कालीन सरकार के खिलाफ विरोध



प्रदर्शन किया गया था। अब जांच एजेंसियां इस मामले में लगातार अपनी कार्रवाई कर रही हैं।समाचार पढ़ें

विपक्ष में रहते हुए उठाया था शराब घोटाले का मुद्दा– केदार कश्यप ने कहा कि शराब घोटाले का मामला भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए उठाया था। इस मुद्दे को लेकर तत्कालीन सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किए गए थे। उन्होंने अपने बयान में उस दौरान भाजपा की ओर से उठाए गए सवालों और वर्तमान में जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई का जिक्र किया। चैतन्य बघेल से जुड़ी संपत्ति पर ईडी का नोटिस चस्पा किए जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामले में शामिल लोगों की जानकारी सामने आएगी।आने वाले दिनों में सामने आएगी मामले से जुड़ी जानकारी

मंत्री केदार कश्यप ने कहा, जब हम विपक्ष में थे तब हमने शराब घोटाले को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था...अभी जांच एजेंसियां लगातार अपना काम कर रही हैं और आने वाले दिनों में यह सामने आ जाएगा।

विधायक पुरंदर मिश्रा का बड़ा फैसला, सहायक शिवा मिश्रा को कार्यालय से हटाया; वजह का नहीं किया खुलासा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने कार्यालय से जुड़े सहायक शिवा मिश्रा को कार्यमुक्त कर दिया है। विधायक की ओर से इस संबंध में सूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया गया है कि अब शिवा मिश्रा का विधायक कार्यालय से किसी प्रकार का आधिकारिक संबंध नहीं रहेगा। विधायक पुरंदर मिश्रा के इस फैसले के बाद शिवा मिश्रा अब उनके कार्यालय से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगे।



कार्यभार से हटाने की वजह नहीं बताई

विधायक कार्यालय से सहायक को हटाए जाने का यह फैसला सामने आने के बाद इसकी वजह को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुरंदर मिश्रा की ओर से जारी सूचना में कार्यमुक्त किए जाने के कारणों का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। विधायक ने स्पष्ट किया है कि शिवा मिश्रा का अब उनके कार्यालय से कोई आधिकारिक संबंध नहीं रहेगा। इसके साथ ही विधायक कार्यालय में उनकी भूमिका समाप्त हो गई है।

पहले भी मंत्रियों के कार्यालयों में हुए हैं बदलाव

गौरतलब है कि इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार के कुछ मंत्री भी अपने कार्यालयों में बदलाव कर चुके हैं। मंत्रियों द्वारा अपने निज सचिवों, विशेष सहायकों और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारियों (ओएसडी) को हटाए जाने के मामले सामने आ चुके हैं। अब रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने सहायक शिवा मिश्रा को कार्यालय की जिम्मेदारियों से मुक्त किया है। हालांकि, इस निर्णय के पीछे की वास्तविक वजह को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है

छत्तीसगढ़ में आज से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू, 3.50 लाख से अधिक टोकन जारी

प्रदेश के किसानों के लिए अपनी उपज बेचने का इंतजार अब खत्म हो गया है

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में आज से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू, 3.50 लाख से अधिक टोकन जारी; किसानों के लिए तैयार खरीदी व्यवस्था छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 के तहत आज से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत हो रही है। प्रदेश के किसानों के लिए अपनी उपज बेचने का इंतजार अब खत्म हो गया है। धान खरीदी के लिए अब तक साढ़े तीन लाख से अधिक टोकन जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का नया सीजन शुरू हो रहा है। धान खरीदी को लेकर राज्य में प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। किसानों को व्यवस्थित तरीके से अपनी उपज बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टोकन व्यवस्था लागू है। खरीदी प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही बड़ी संख्या में टोकन जारी होना इस बात का संकेत है कि किसान अपनी उपज बेचने के लिए तैयार हैं।



ˇद्यह्मश ऋ्रड्डस्र – जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल होने रायगढ़ पहुंचे ष्टरू साय, जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

साढ़े तीन लाख से ज्यादा टोकन जारी, ऑन और ऑफलाइन दोनों विकल्पों से बड़ी राहत

प्रदेश में धान खरीदी का सिलसिला शुरू होने से पहले ही 3.50 लाख से अधिक किसानों को टोकन जारी किए जा चुके हैं, जो इस महाअभियान के प्रति अन्नदाताओं के भारी उत्साह को दर्शाता है। राज्य सरकार की पारदर्शी टोकन प्रणाली के तहत किसानों को उपार्जन केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ और घंटों के लंबे इंतजार से मुक्ति मिल रही है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बार टोकन प्राप्त करने के लिए दोहरी व्यवस्था लागू की गई है। एंड्रॉयड मोबाइल का उपयोग करने वाले किसान घर बैठे तुंहर टोकन (Tunhar Token) मोबाइल ऐप के जरिए अपनी सुविधानुसार तारीख चुनकर ऑनलाइन टोकन काट रहे हैं। वहीं, जो किसान स्मार्टफोन का उपयोग नहीं करते, उनके लिए संबंधित सहकारी समितियों (सोसायटी) में ऑफलाइन टोकन जारी करने की व्यवस्था की गई है। टोकन प्रणाली लागू होने से प्रत्येक उपार्जन केंद्र की दैनिक खरीदी क्षमता के अनुसार ही किसानों को बुलाया जा रहा है। इससे न केवल मंडी परिसर में ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के जाम की स्थिति से बचाव हो रहा है, बल्कि बारदाने (बोरियों) की उपलब्धता, नमी की जांच और इलेक्ट्रॉनिक तौल की प्रक्रिया भी बेहद सुचारू रूप से संचालित हो रही है। किसानों को केवल अपने टोकन में अंकित निर्धारित तिथि को ही उपज लेकर केंद्र पहुंचना होगा, जिससे उनकी उपज की बिक्री उसी दिन बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

धान खरीदी में पारदर्शिता पर प्रशासन का जोर× समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए राज्य में निगरानी बढ़ाई गई है। बिचौलियों द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण और परिवहन कर अनियमित बिक्री किए जाने की आशंका को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर जांच की कार्रवाई भी तेज कर दी गई है। राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा अवैध धान भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिए निगरानी की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में भी प्रशासन विशेष नजर रख रहा है। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का सीजन किसानों के लिए आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है।

महंगा हुआ घर बनाने का सपना! सीमेंट की एक बोरी पर 80 रुपये तक बढ़े दाम



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

अपना घर बनाने का सपना देखने वाले लोगों के लिए निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतें अब बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में सीमेंट के लगातार चढ़ते दामों ने मकान निर्माण के बजट को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पिछले तीन से चार महीनों के दौरान 50 किलो सीमेंट की बोरी की कीमत में 80 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसका असर केवल निजी मकान बनवाने वाले लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी निर्माण कार्यों की लागत पर भी इसका दबाव बढ़ रहा है।

सीमेंट की कीमतों में इस तेजी के बीच छत्तीसगढ़ में नॉन–ट्रेड सीमेंट भी महंगा हो गया है। सरकारी निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाले नॉन–ट्रेड सीमेंट की कीमत प्रति बोरी करीब 60 रुपये तक बढ़ाई गई है। इसके चलते राज्य में लगभग 10 हजार करोड़ से 30 हजार करोड़ रुपये तक के निर्माण कार्य प्रभावित होने की स्थिति बताई जा रही है।छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड

तीन से चार महीने में सीमेंट की बोरी पर जबरदस्त उछाल

छत्तीसगढ़ में बीते कुछ महीनों के दौरान सीमेंट की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। 50 किलो की एक बोरी पर 80 रुपये तक का अंतर आने से मकान निर्माण की लागत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पहले से निर्माण की योजना बना रहे लोगों के लिए अब पुराने बजट के हिसाब से काम पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। सीमेंट किसी भी भवन निर्माण का प्रमुख हिस्सा है। ऐसे में इसकी कीमत में असर निर्माण के कुल खर्च पर पड़ता है। कीमतों में लगातार बदलाव के कारण घर बनवाने वालों को अपने निर्माण बजट पर दोबारा विचार करना पड़ रहा है।

रायपुर नगर पालिक निगम 16 नवम्बर

पं. जवाहर लाल नेहरू का जयन्ती पर रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने किया नमन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पूर्व प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू का 137वीं जयन्ती पर सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान और नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से राजधानी शहर के जीई मार्ग पर स्थित नगर निगम रायपुर के गाँधी उद्यान परिसर स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया.

नगर निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान और नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से आयोजित संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी और नन्हे – मुन्ने स्कूली



बच्चों ने प्रिय चाचा नेहरू का जयन्ती पर सादर नमन किया. इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाओं और नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू को उनकी जयन्ती पर बड़ी संख्या में पहुंचकर उनको 137वीं जयन्ती पर सादर नमन किया.

नगर निगम जोन 2 ने जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर तात्यापारा क्षेत्र में जर्जर पुलिया की करवायी मरम्मत

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 2 में जोन क्षेत्र अंतर्गत तात्यापारा मार्ग में जर्जर पुलिया होने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर श्री पीडी घृतलहरे ने जोन क्रमांक 2 की सम्बंधित टीम के साथ जोन क्षेत्र अंतर्गत तात्यापारा सड़क मार्ग का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। सड़क मार्ग में गड्ढो में सुधार करवाकर उन्हें व्यवस्थित करवाने का कार्य तत्काल करवाया गया। वहीं तात्यापारा क्षेत्र की जर्जर पुलिया में आवश्यक सुधार व मरम्मत करवाकर उसे व्यवस्थित करवाने का कार्य रायपुर नगर निगम जोन 2 द्वारा किया गया एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्ट्रीट वेंडर की चाय का लिया लुत्फ, पथ विक्रेताओं के साथ किया लंच

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ष्ठ) द्वारा आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल्स के भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने स्ट्रीट वेंडर के हाथों की चाय का लुत्फ लिया। उनके साथ स्टॉल देख रहे जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मिट्टी के कुल्हड़ में चाय की चुस्कियां लीं। साव ने फूड–स्टॉल्स के अवलोकन के दौरान पथ



विक्रेताओं से बात कर उनके व्यवसाय की जानकारी ली और पीएम स्वनिधि योजना का फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यक्रम के बाद महिला पथ विक्रेताओं के साथ बैठकर लंच किया।

स्वनिधि महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के दो लाभार्थियों ने उप मुख्यमंत्री साव से अपनी कहानी साझा की। धमतरी के दिलीप यादव ने बताया कि उन्होंने 10 हजार रुपए के ऋण से कारोबार शुरू किया था। उन्होंने समय पर ऋण की किस्तें भरकर अपना व्यवसाय बढ़ाने के प्लास्टिक के सामान बेचते हैं। पीएम स्वनिधि से मिले ऋण से उनका कारोबार आगे बढ़ा और परिवार की स्थिति में भी सुधार आया।

पीएम स्वनिधि महोत्सव आर्थिक सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण का उत्सव

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार के निर्देशानुसार, प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत दिनांक 14 नवम्बर 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज, रायपुर में माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्षता में स्वनिधि महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस महोत्सव में लगभग 2,500 पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य पथ विक्रेताओं के उद्यमशीलता के जज्बे का सम्मान करना, उन्हें आर्थिक एवं डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा शहरी अर्थव्यवस्था में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना था।

महोत्सव के प्रमुख आकर्षण

– निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण- पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवारजनों के लिए 72 प्रकार की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई।

– आनंद उत्सव- पथ विक्रेताओं के बच्चों के लिए मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

– खाद्य स्टॉल- विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए। – जनजागरूकता कार्यक्रम- नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक एवं जनहितकारी विषयों पर गया। – वेंडर संवाद- माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने पथ विक्रेताओं के साथ सीधा संवाद किया। – बैंक सम्मान- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों एवं बैंक शाखाओं को सम्मानित किया गया।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण से बनेगा विकसित भारत -अरुण साव

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने महोत्सव में पथ विक्रेताओं से सीधे संवाद कर उनके व्यवसाय, परिवार और पीएम स्वनिधि योजना से उनके कार्यों व जीवन में आए बदलावों की



जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने ऑडिटोरियम परिसर में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल का भी अवलोकन किया।

सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू और पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर भी महोत्सव में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों, उनकी शाखाओं और नगरीय निकायों को सम्मानित किया। महोत्सव में पथ विक्रेताओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान की भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम की थीम पर इस महोत्सव का आयोजन किया गया

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

घुसपैठियों के निष्कासन का ठंडे बस्ते में पड़ा कानून

यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जिस तरह कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखे हमले बोल रहे हैं, उससे साफ है कि सत्तारुढ़ दल किसी भी प्रकार के मनगढ़ंत नैरेटिव के दबाव में नहीं है। यह मानसिकता देशहित के लिए इस संक्रमण काल में अत्यंत जरूरी है क्योंकि भारत ही नहीं अनेक यूरोपीय देश मुसलमानों के बढ़ते जनसंख्यात्मक घनत्व और इस्लामिक कट्टरता से जूझ रहे हैं। इसीलिए कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन को लेकर तीखा बयान देकर कहा था कि फ्रांस की राजधानी पेरिस जल्दी ही 'मुस्लिम नगर' बन जाएगा। क्योंकि फ्रांस ने देश की सीमाओं पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया, जिसका दंड अब पूरा फ्रांस भुगत रहा है। ब्रिटेन भी फ्रांस जैसी स्थिति से दो-चार हो रहा है। ऐसे में भारत को जरूरी हो गया है कि वह अब अतिरिक्ति सतर्कता एवं कठोरता बरतते हुए मुस्लिम घुसपैठियों को अपने देश की सीमाओं से खदेड़ने का काम करे। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए भारतीय संसद द्वारा विभाजन के तत्काल बाद 'इमिग्रेंट्स एक्सपल्शन फ्रॉम असम एक्ट, 1950 यानी असम अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 अस्तित्व में लाया गया था, उसका पालन देश करे।

यह कानून तात्कालिक घुसपैठियों को निष्कासन करने की दृष्टि से 1 मार्च 1950 को बना था। इसका बनाया जाना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि भारत विभाजन 1947 से 1950 के बीच तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान में बांग्लादेश) से बहुत बड़ी संख्या में लोग असम में घुस रहे थे। इस कारण असम के स्थानीय समुदायों, जनजातियों और वहां के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ने लगा था। स्थानीय समुदाय जनजातीय संस्कृति, जनसांख्यिकी और लोकहित के संरक्षण की दृष्टि से अस्तित्व में लाया गया था। इस कानून का मुख्य लक्ष्य असम से अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना था। किंतु इसी समय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के बीच एक समझौता हो गया। इसके तहत अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा का वादा किया गया था। इस वादे के पालन में नेहरू ने इसके क्रियान्वयन को कुछ समय के लिए टाल दिया। इस कारण यह अहम कानून दशकों तक ठंडे बस्ते में पड़ा रहा।

आर्थिक विकास के आंकड़ों के बीच कौशल विकास, गुणवत्तापूर्ण रोजगार और आत्मनिर्भरता की चुनौती

आज कंपनियां केवल डिग्रीधारी उम्मीदवारों को नहीं, बल्कि ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता देती हैं जिनमें तकनीकी दक्षता, प्रभावी संवाद, समस्या समाधान, निर्णय लेने और व्यावहारिक कार्यक्षमता जैसी योग्यताएं हों। यही कारण है कि शिक्षा व्यवस्था और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच बढ़ता कौशल अंतर युवाओं के सामने एक बड़ी चुनौती बन गया है। कई बार विद्यार्थी वर्षों तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी साक्षात्कार और व्यावहारिक कार्यों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान पर अधिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाना है।



राहुल सिंह

शोधार्थी एवं एमबीए गोल्ड मेडलिस्ट

आज का भारत तेजी से आर्थिक, डिजिटल और तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्वीकरण और आधुनिक तकनीक ने न केवल उद्योगों के काम करने के तरीकों को बदला है, बल्कि रोजगार के स्वरूप में भी व्यापक परिवर्तन किया है। एक ओर देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरी ओर शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। अनेक युवाओं के पास डिग्रियां हैं, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप नौकरी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केवल शैक्षणिक डिग्री ही एक बेहतर भविष्य की गारंटी बन सकती है?

आज कंपनियां केवल डिग्रीधारी उम्मीदवारों को नहीं, बल्कि ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता देती हैं जिनमें तकनीकी दक्षता, प्रभावी संवाद, समस्या समाधान, निर्णय लेने और व्यावहारिक कार्यक्षमता जैसी योग्यताएं हों। यही कारण है कि शिक्षा व्यवस्था और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच बढ़ता कौशल अंतर युवाओं के सामने एक बड़ी चुनौती बन गया है। कई बार विद्यार्थी वर्षों तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी साक्षात्कार और व्यावहारिक कार्यों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान पर अधिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाना है। आज आवश्यकता केवल शिक्षित युवाओं की नहीं, बल्कि रोजगार के योग्य और कुशल युवाओं की है।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2014 में प्रारंभ हुई दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और कौशल भारत मिशन इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इनका उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। लेकिन क्या किसी युवा को नौकरी दिला देना ही इन योजनाओं की सफलता है? क्या यह देखना जरूरी नहीं कि उस नौकरी से मिलने वाले वेतन में वह अपने परिवार का खर्च चला पा रहा है या नहीं? क्या उसे रोजगार के लिए अपना घर छोड़कर दूसरे शहरों में पलायन करना पड़ रहा है? रोजगार की गुणवत्ता, उचित वेतन और आर्थिक सुरक्षा पर विचार करना भी उतना ही आवश्यक है।

हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक की %गरीबी एवं समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट ङ्क अक्टूबर 2026% भारत की विकास यात्रा का सकारात्मक पक्ष प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011-12 से 2023-24 के बीच भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। वहीं, प्रतिदिन 4.20 डॉलर की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हुआ। इस आधार पर लगभग 49.6 करोड़ लोग इस गरीबी रेखा से ऊपर आए। यह देश के लिए निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आर्थिक विकास के साथ सामाजिक कल्याण की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाती है।

लेकिन विकास की इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। विश्व बैंक की रिपोर्ट रोजगार में वृद्धि के बावजूद वास्तविक आय में अपेक्षित सुधार न होने की चुनौती की ओर भी संकेत करती है। इसका अर्थ है कि रोजगार मिलना और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना दो अलग-अलग बातें हैं। यदि किसी व्यक्ति की आय उसकी दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास का खर्च पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो केवल रोजगार प्राप्त कर लेना आर्थिक सुरक्षा की गारंटी नहीं हो सकता। गरीबी से बाहर आना एक उपलब्धि है, लेकिन सम्मानजनक आय और स्थायी रोजगार सुनिश्चित करना अभी भी चुनौती है। इसके साथ ही युवाओं का ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों से महानगरों की ओर बढ़ता पलायन भी गंभीर विचार का विषय है। रोजगार के सीमित अवसरों के कारण अनेक युवा अपने परिवार और सामाजिक परिवेश से दूर जाने को मजबूर हैं। महानगरों में नौकरी मिलने के बावजूद आवास, परिवहन और दैनिक आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च उनकी आय का बड़ा हिस्सा ले लेता है। इसलिए आवश्यक है कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्योगों, लघु व्यवसायों तथा स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाए। इससे रोजगार के अवसरों का विकेंद्रीकरण होगा और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार मिल सकेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष महिलाओं की आर्थिक भागीदारी का है। देश की आधी आबादी को शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, सुरक्षित कार्यस्थल और समान रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए बिना समावेशी विकास की कल्पना अधूरी है। इसी प्रकार असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों, संविदा कर्मचारियों और स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाले युवाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा नियमित आय सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आर्थिक विकास का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब समाज के सभी वर्गों को इसमें समान रूप से भागीदारी का अवसर मिलेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कौशल विकास की परिभाषा भी बदलनी होगी। युवाओं को केवल वर्तमान रोजगार की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए भी तैयार करना होगा। इसके लिए शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय, प्रशिक्षण के साथ कार्य-अनुभव तथा निरंतर कौशल उन्नयन को प्राथमिकता देनी होगी। सरकार, उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिसमें युवाओं को बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके। अंततः भारत की विकास यात्रा का अगला पड़ाव केवल गरीबी के व्यवस्था विकसित करनी होगी जहां किसी युवा की पहचान केवल उसकी डिग्री से नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और कौशल से हो।

हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर काल क्यों बन रहे डिवाइडर और अवरोधक?

-ओ.पी. पाल

दुनियाभर में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली असामयिक मौतों के मामले में भारत आज भी शीर्ष पर बना हुआ है। इस भयावह वास्तविकता पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने यातायात नियमों में व्यापक संशोधन किए और नियम तोड़ने वालों पर जुर्माने व दंड का दायरा भी कई गुना बढ़ाया। यही नहीं, पिछले करीब डेढ़ दशक में देशभर में नागरिकों को कम समय में सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की दिशा में सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और दुर्घटना संभावित %ब्लैक स्पॉट% चिन्हित कर उन्हें दुरुस्त करने का सिलसिला लगातार जारी है।

राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों के साथ-साथ लंबी दूरियों के लिए देश में चार से छह लेन और कई स्थानों पर आठ लेन तक के आधुनिक एक्सप्रेस-वे और हाइवे का जाल बिछाया गया है। इस आधुनिक सड़क परिवहन नीति का बड़ा सकारात्मक परिणाम यह रहा है कि अब दोतरफा यातायात वाले संकरे मार्गों की तुलना में वाहनों की आमने-सामने की टक्कर (हेड-ऑन कोलिजन) की घटनाओं में काफी कमी आई है। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू बेहद डरावना है? मसलन सवालिया तथ्य यह है कि एक्सप्रेस-वे और हाइवे पर बने डिवाइडर और किनारों पर लगे अवरोधक ही असामयिक मौतों का सबब और वाहनों में आग क्यों लग रही है? क्या इसके पीछे वाहनों की बढ़ती रफ्तार और चालकों की मानवीय लापरवाही है अथवा कोई अन्य कारण?

पिछले एक दशक में आए चौंकाने वाले आंकड़े- यदि पिछले एक दशक (लगभग 2015 से 2025-26 तक) के सड़क दुर्घटनाओं के रुझानों और सरकारी रिपोर्टों का विश्लेषण किया जाए तो एक गंभीर विरोधाभास उभरकर सामने आता है। भारत में प्रतिवर्ष औसतन साढ़े चार से पौने पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिनमें हर साल लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं, जबकि चार लाख से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल या स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाते हैं। पिछले दस वर्षों में ही भारत की सड़कों पर 15 लाख से अधिक लोगों की असमय मृत्यु हुई है, जो किसी भी महामारी या युद्ध से होने वाली क्षति से कम नहीं है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों पर गौर करें तो देश के कुल सड़क नेटवर्क में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे की हिस्सेदारी महज 2 से 3 प्रतिशत के आसपास है, लेकिन देश में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से लगभग 30 से 32 प्रतिशत हादसे और कुल मौतों में से करीब 35 से 37 प्रतिशत मौत इन्हीं राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर होती हैं। पिछले एक दशक में जैसे-जैसे एक्सप्रेस-वे की लंबाई बढ़ी है, वैसे-वैसे %रन-ऑफ-रोड% (सड़क से उतरकर डिवाइडर या बैरियर से टकराने) और पीछे से वाहनों के टकराने (रियर-एंड कोलिजन) की घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि कुल प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाओं के पीछे केवल %ओवरस्पीडिंग% यानी निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज वाहन चलाना मुख्य कारण रहा है।

त्योहारों की खुशियों को निगल रहे हैं रफ्तार के हादसे- हाल ही में दीपावली के पर्व पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में अपने निजी वाहनों से परिवार संग त्योहार मनाने जा रहे लोग इन रफ्तार भरी सड़कों पर काल का ग्रास बन गए। दीपावली की रात उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा हाइवे पर हरियाणा के हांसी जिले से हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे छह युवा दोस्त भीषण हादसे का शिकार हो गये। कार डिवाइडर के बिजली से टकराकर आग का गोला बन गई और उसमें सवार सभी जिंदा जल गए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे पर नोएडा की एक सॉफ्टवेयर कंपनी के संचालक इंजीनियर, उनकी पत्नी और दो मासूम बच्चों का पूरा परिवार कार के डिवाइडर से टकराने के कारण मौत के मुंह में समा गया। देशभर में ऐसे सैकड़ों हृदयविदारक हादसे घटित हो चुके हैं, जिन्होंने पलभर में हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया। इसी तरह देश में ऐसे कई हादसे हुए, जिनमें एक्सप्रेस वे व हाइवे पर सड़क के किनारे बेतरतीब खड़े ट्रक या कैंटर जैसे वाहनों में तेज रफ?तार कारे व दुपहिया वाहन पीछे से घुसने के कारण गंतव्य से पहले ही जान गंवा चुके हैं।

डिवाइडर क्यों बन रहे हैं काल और वाहनों में क्यों लग रही है आग?- आधुनिक एक्सप्रेस-वे और हाइवे पर वाहनों को विपरीत दिशा के यातायात से बचाने के लिए कंक्रीट के ऊंचे डिवाइडर या स्टील के क्रैश बैरियर बनाए जाते हैं। जब कोई वाहन 100 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अनियंत्रित होकर सीधे इन ठोस कंक्रीट के डिवाइडरों से टकराता है तो टकराव की ऊर्जा (काइनेटिक एनर्जी) इतनी अधिक होती है कि आधुनिक से आधुनिक कार का ढांचा भी उसे पूरी तरह सोख नहीं पाता। इस भीषण टक्कर के कारण इंजन के हिस्से, ईंधन की पाइपलाइन और बैटरी के तार क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शॉर्ट-सर्किट या ईंधन रिसाव के कारण चंद सेकंड में वाहन आग के गोले में तब्दील हो जाता है। इसके अतिरिक्त, पिछले बढ़ी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे सीएनजी किट का अनधिकृत या घटिया तरीके से लगवाना, समय पर सिलेंडर और वाल्व की हाइड्रो-टेस्टिंग न कराना तथा गाड़ी में आफ्टर-मार्केट सस्ती वायरिंग और अतिरिक्त एक्सेसरीज लगवाना प्रमुख कारण हैं।

बिरसा मुंडा- स्वधर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक

ज्ञानेंद्र त्रिपाठी



अंग्रेजों के दमनकारी शासन के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के लोकनायक बिरसा मुंडा की 15 नवंबर 2026 को 151वीं जयंती है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को अंग्रेजी दासता से मुक्त होकर सम्मान से जीने के लिए प्रेरित किया। झारखंड के सिंहभूमि तथा रांची में रहने वाले मुंडा जनजाति के लोग बिरसा को आज भी भगवाने के रूप में पूजते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में बिरसा मुंडा एक प्रमुख आदिवासी विद्रोह के नेता रहे हैं। । बिरसा ने आदिवासियों को ब्रिटिश शासन और ज़मींदारी व्यवस्था के अत्याचारों के खिलाफ जागरूक किया। उन्होंने आदिवासी लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और सामुदायिक भूमि स्वामित्व से जुड़े अधिकारों से अवगत कराया।

उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं की ओर लौटने का संदेश देते हुए जनजातीय समाज में पुनः सांस्कृतिक चेतना का प्रवाह किया। उनका यह प्रयास जनजातीय समाज की राष्ट्रीय अस्मिता को सुरक्षित रखने में एक मील का पत्थर साबित हुआ. यह निडर, निर्भीक, ऊर्जावान नेतृत्व राजनीतिक और सांस्कृतिक आक्रमण के विरुद्ध खड़े होने की ऊर्जा का दीर्घकालीन प्रेरणास्रोत बना।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आजादी और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के रांची जिले के इलिहतु गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम दाउद मुंडा था। बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में अपने हक और स्वयत्तता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए । उनका आरम्भिक जीवन बेहद गरीबी में बीता। उनके पिता के नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हटू था। बिरसा के माता-पिता घुमंतू खेती के द्वारा अपना गुजर-बसर करते थे। बचपन में बिरसा भेड़ों को चराने जंगल जाया करते थे और वहां बांसुरी बजाते थे। बिरसा बहुत अच्छी बांसुरी बजाते थे। इसके साथ ही उन्होंने कद्दू से एक तार वाला वादक यंत्र तुइला का भी निर्माण किया था। गरीबी के चलते बिरसा के माता-पिता ने उन्हें उनके मामा के पास अयुबतु गांव स्कूली शिक्षा के लिए भेज दिया ,जहां बिरसा के शिक्षक ने उनकी पढाई में रूचि देख कर उन्हें क्रिश्चयन स्कूल में जाने जा सुझाव दिया।

यह वह दौर था जब क्रिश्चियन स्कूल में केवल ईसाई बच्चे ही पढ़ते थे, जिसके चलते बिरसा ने ईसाई धर्म को स्वीकार कर लिया और अपना नाम बदलकर डेविड रख लिया। बिरसा ईसाई स्कूल को छोड़ने के बाद हिंदू धर्म के प्रभाव में आ गए, जिसके बाद वो ईसाई धर्म परिवर्तन का विरोध करने के साथ ही आदिवासियों में जागरूकता फैलाने लगे। दरअसल उसी समय इस इलाके में रेल लाइनें बिछाने का काम चल रहा था। अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों का शारीरिक और चारित्रिक शोषण किया जा रहा था। आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। बिरसा ने सरकार की इन नीतियों का जमकर विरोध किया। लोगों को अपने धर्म का ज्ञान दिया, गौ हत्या का विरोध किया।

विद्रोह का बिगुल

बिरसा ने लगान माफी को लेकर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया। बिरसा ने आदिवासियों की एक सेना बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ छापामार लड़ाई शुरू की। 1897 से 1900 के बीच मुंडा आदिवासियों ने बिरसा के नेतृत्व में छापामार लड़ाई से अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। 1895 में बिरसा मुंडा को दंगा करने के आरोप में गिरफ्तार करके 2 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। जेल से रिहा होने के बाद भी बिरसा ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं। वह गांव-गांव जाकर खुद के नेतृत्व में एक मुंडा राज्य की स्थापना करने के लिए समर्थन जुटाने लगे।

अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूंटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे बिरसा ने अंग्रेजी सेना पर हमला किया और अंग्रेजों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बाद में अतिरिक्त अंग्रेजी सेनाओं के आने के बाद आदिवासियों की पराजय हुई और कई आदिवासियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 3 फरवरी 1900 को अंग्रेजी सेना ने बिरसा को उसके समर्थकों के साथ चक्रधरपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया।

कैद के दौरान बिरसा की जेल में संदेहास्पद अवस्था में 9 जून 1900 को मौत हो गई। अंग्रेजी सरकार ने बताया कि हैजा के चलते बिरसा की मौत हुई है। हालांकि आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि बिरसा की मौत कैसे हुई। बिरसा ने मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित किया। मुंडा आदिवासी बिरसा को आज भी धरती बाबा के नाम से पूजते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जलवायु का बदलता मिजाज व प्रदूषण की तस्वीर- अब रैंकिंग से मापेंगे पर्यावरण में बदलाव

शोधकर्ता ने पर्यावरणीय बदलाव मापने के लिए रेजीम शिफ्ट इंडेक्स नामक नई पद्धति विकसित की। जेनेवा में 1864 से 2024 तक के तापमान आंकड़ों ने गर्म दिनों में लगातार बढ़ोतरी दिखाई। जलवायु पर आधारित शोधपत्र को 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार मिला। स्विट्जरलैंड में आबादी के आधार पर प्रदूषण मापने से वायु गुणवत्ता सुधार की नई तस्वीर सामने आई।

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और सूक्ष्म कणों में गिरावट दर्ज हुई, लेकिन ओजोन का रुझान अनियमित रहा। दुनिया का मौसम बदल रहा है। कहीं सर्द दिन कम हो रहे हैं, कहीं गर्मी के दिन बढ़ रहे हैं और कहीं प्रदूषण का स्तर घटने के बावजूद लोगों को साफ हवा का पूरा फायदा नहीं मिल रहा। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि तापमान कितना बढ़ा या



प्रदूषण कितना घटा, बल्कि यह भी है कि बदलाव किस तरह हुआ और उसका असर कितने लोगों पर पड़ा। इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने एक नया सांख्यिकीय तरीका विकसित किया है। इसे %रेजीम शिफ्ट इंडेक्स% (आरएसआई) कहा जाता है। इस पद्धति के जरिए पर्यावरण में हो रहे बदलावों को पुराने आंकड़ों से तुलना करके समझा जा सकता है। इस शोध पर आधारित दो वैज्ञानिक अध्ययन जलवायु और वायु प्रदूषण में बदलाव की अलग-अलग तस्वीर पेश करते हैं। खास बात यह है कि पहला अध्ययन 2026 के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल इंजीनियरिंग एंड डिजिटल इनोवेशन (आईसीएसईडीआई) में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के पुरस्कार से सम्मानित हुआ।

तापमान का बदलता गणित

पहले शोध में स्विट्जरलैंड के जेनेवा शहर के तापमान का अध्ययन किया गया। इसके लिए 1864 से 2024 तक के रजमर्रा के औसत तापमान के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया। शोधकर्ताओं ने 1961 से 1990 के बीच के तापमान को आधार बनाया और इसकी तुलना 2015 से 2024 के आंकड़ों से की। नतीजे चौंकाने वाले नहीं, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण हैं। जेनेवा में अब ठंडे दिन कम हो रहे हैं, जबकि गर्म और बेहद गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है। हाल के दशक के लिए रेजीम शिफ्ट इंडेक्स लगभग 1.4 तक पहुंच गया।

इसका अर्थ है कि तापमान का पूरा वितरण पुराने दौर की तुलना में गर्म दिशा में खिसक गया है। यानी बदलाव केवल औसत तापमान बढ़ने तक सीमित नहीं है। मौसम के अलग-अलग दिनों का मिजाज भी बदल रहा है।

आखिर क्या है आरएआई ?

इस पद्धति की खासियत इसकी सादगी है। मान लीजिए, किसी पुराने दौर में दर्ज तापमान को आधार बनाया गया है। अब नए दौर के हर दिन के तापमान को उस पुराने रिकॉर्ड से मिलाया जाता है। इससे पता चलता है कि नया तापमान पुराने दौर के कितने प्रतिशत दिनों से अधिक है। इन तुलनात्मक रैंकों को मिलाकर एक सूचकांक तैयार होता है। आधार अवधि का आरएआई एक रहता है। एक से ऊपर का आंकड़ा गर्म या ऊंचे रैंक की स्थितियों की ओर बदलाव बताता है, जबकि एक से नीचे का आंकड़ा विपरीत दिशा में बदलाव दिखाता है।

इसकी एक और खूबी है। तापमान को सेल्सियस में मापें या फारेनहाइट में, नतीजा नहीं बदलता। यानी मापने की इकाई बदलने से पर्यावरणीय बदलाव की तस्वीर नहीं बदलती।

प्रदूषण घटा, लेकिन किसे मिला फायदा ?

दूसरा शोध इस पद्धति को वायु प्रदूषण के अध्ययन तक ले जाता है। इसमें नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2), ओजोन (ओ3) और सूक्ष्म कणों पीएम10 तथा पीएम2.5 का विश्लेषण किया गया। यहां शोधकर्ताओं ने एक अहम सवाल उठाया। यदि किसी इलाके में प्रदूषण कम हुआ है, तो क्या वहां रहने वाले लोगों को भी उतना ही फायदा मिला है? क्योंकि प्रदूषण के आंकड़े केवल यह नहीं बताते कि हवा कितनी साफ हुई, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि उन इलाकों में कितनी आबादी रहती है।

ज्यूरिख शहर में चार निगरानी केंद्रों के आंकड़ों को 216 सांख्यिकीय क्षेत्रों की आबादी से जोड़ा गया। इस तरह उन स्थानों को अधिक महत्व मिला जहां ज्यादा लोग रहते हैं। नतीजों में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और दोनों प्रकार के सूक्ष्म कणों में लंबे समय तक गिरावट दिखाई दी। ओजोन का रुझान हालांकि उतना नियमित नहीं रहा। आबादी को ध्यान में रखने से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड की तस्वीर में सबसे स्पष्ट अंतर सामने आया।

स्विट्जरलैंड में सुधार की नई तस्वीर

शोध का दायरा केवल ज्यूरिख तक सीमित नहीं रहा। पूरे स्विट्जरलैंड के प्रदूषण मानचित्रों को 2024 की आबादी के आंकड़ों से जोड़कर 2019 से 2024 के बीच बदलाव का अध्ययन किया गया। नतीजों में एक दिलचस्प बात सामने आई। जब आबादी के हिसाब से प्रदूषण का आकलन किया गया, तो चारों प्रदूषकों में 2020 से 2024 के दौरान 2019 के मुकाबले अधिक सुधार दिखाई दिया। इससे संकेत मिलता है कि हाल के वर्षों में प्रदूषण में कमी उन क्षेत्रों में अधिक रही है जहां आबादी ज्यादा केंद्रित है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह राहत देने वाली नहीं है। 2020 से 2024 के बीच आबादी के हिसाब से औसत नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर, आबादी वाले सभी क्षेत्रों के औसत से करीब 20 प्रतिशत अधिक रहा।

आंकड़ों से आगे की समझ

दोनों शोधों का संदेश साफ है। पर्यावरण में बदलाव को समझने के लिए केवल औसत तापमान या प्रदूषण का स्तर देखना काफी नहीं है। यह भी समझना होगा कि बदलाव किस दिशा में हुआ और उसकी चपेट में कितने लोग आए। ईपीएफएल के चेयर ऑफ ऑपरेशंस, इकोनॉमिक्स एंड स्ट्रैटेजी (ओईएस) में विकसित यह पद्धति पर्यावरण की निगरानी के लिए एक उपयोगी आधार दे सकती है। हालांकि इससे सीधे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव या किसी सरकारी नीति की सफलता साबित नहीं होती। उसके लिए अलग अध्ययन जरूरी होंगे।

फिलहाल इस शोध ने एक अहम बात साबित की है- पर्यावरण की बदलती कहानी को समझने के लिए सिर्फ आंकड़े गिनना काफी नहीं, उन्हें सही संदर्भ में पढ़ना भी जरूरी है।

भाजपा सिविल लाइन मंडल ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, दीप प्रज्ज्वलित कर अर्पित की

विधायक सुनील सोनी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, वन संरक्षण और आदिवासी समाज के योगदान पर डाला प्रकाश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा सिविल लाइन मंडल द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके संघर्ष, बलिदान और देश के प्रति योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुनील सोनी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष कर देश की आजादी और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वन संरक्षण, जल–जंगल–जमीन की रक्षा तथा राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समाज के योगदान को भी रेखांकित किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार कुकरेजा, पार्षद अमर गिदवानी, सचिन मेघानी, स्वप्निल मिश्रा, मंडल महामंत्री शैलेन्द्र सिंह सोमवंशी, पदमा साहू, उपाध्यक्ष थानाराम पटेल एवं कृपाराम चतुर्वेदी, मंत्री इला दुबे, प्रकाश जोशी, कमल रंधवा, दीपक पाठक, सूरज यादव, नीरज मनवानी, शेरू ध्रुव, रवि उइके, अमन मरावी, उमेश्वरी मोगराज, गौरी चावलिया, शिवचरण सगरवंशी, महेश वर्मा एवं रमेश भोई सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजनांदगांव जिले के उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाअभियान का हुआ शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में आज समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाअभियान का आगाज उमंग, उत्साह और खुशी के माहौल में हुआ। जिले के 117 धान उपार्जन केन्द्रों में पहले दिन धान खरीदी की शुरूआत की गई। धान खरीदी के प्रथम दिन 805 किसानों को टोकन जारी किए गए। किसानों ने टोकन तुंहर द्वार मोबाइल एप के माध्यम से टोकन प्राप्त किया। धान खरीदी प्रारंभ होने से किसानों में प्रसन्नता रही। किसान सुबह से ही अपना धान लेकर उपार्जन केन्द्रों में पहुंचने लगे। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

राज्य सरकार की किसान हितैषी महत्वपूर्ण निर्णय से किसानों में हर्ष व्याप्त है। अब निर्धारित अधिकतम मात्रा से कम धान बेचने वाले किसानों को भी प्रति एकड़ के मान से एकसमान 13 हजार 839 रुपए की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यदि कोई किसान प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम मात्रा में धान उपार्जन के लिए उपलब्ध कराता है, तब भी उसे प्रति एकड़ के मान से आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के किसानों, लघु एवं सीमांत कृषकों तथा जनजातीय अंचलों के किसान परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

जिले में धान खरीदी का शुभारंभ राजनांदगांव विकासखंड के कन्हारपुरी धान उपार्जन केन्द्र से हुआ। इस अवसर पर परंपरानुसार कांटा–बांट की पूजा–अर्चना एवं माल्यार्पण कर धान खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए नहीं पहुंचे नितिन नबीन -दीपक बैज

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर पावन स्मरण करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी सरकारी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में नितिन नबीन नहीं पहुंचे। भगवान बिरसा मुंडा के द्वारा दिए गए ॥अबुआ दिशुम, अबुआ राज॥ के संकल्प को सामने रखते हुए, दीपक बैज ने वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी, आदिवासी–विरोधी और पूंजीपति–परस्त नीतियों के खिलाफ सवाल उठाये, आज पूरा देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद कर रहा है, लेकिन विडंबना देखिए कि आज छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों के ठीक विपरीत काम कर रही है। आज सत्ता और सेठों का गठजोड़ मिलकर हमारे आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हाथों बेच रहा है। कांग्रेस पार्टी भगवान बिरसा मुंडा के उस उलगुलान क्रांति की प्रेरणा को लेकर इस दमनकारी, बहरी और अंधी भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क से सदन तक आर–पार की लड़ाई लड़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रदेशभर में जनजातीय गौरव और आदिवासी कल्याण के झूठे ढोल पीटती है, लेकिन हकीकत यह है कि आज छत्तीसगढ़ के जंगलों को चंद उद्योगपति मित्रों और कारपोरेट घरानों के किया जा रहा है।

स्वनिधि महोत्सव बना जीरो वेस्ट आयोजन की मिसाल, बांस की प्लेटों और लकड़ी के चम्मचों से परोसा भोजन, पानी के लिए भी प्लास्टिक मुक्त व्यवस्था

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में प्लास्टिक के इस्तेमाल की अनिवार्यता को चुनौती देते हुए पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल पेश की। करीब 2500 लोगों के खानपान, बीसियों फूड स्टॉलों, पेयजल और सजावट की व्यापक व्यवस्थाओं के बावजूद पूरे आयोजन में कहीं भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं हुआ। भोजन परोसने के लिए बांस की प्लेटें और लकड़ी के चम्मच अपनाए गए, तो पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों और पाउच का विकल्प तैयार किया गया। सजावट और सूचना पट्टों में भी दोबारा इस्तेमाल होने वाली सामग्री का उपयोग हुआ। यही नहीं, आयोजन के दौरान निकलने वाले कचरे को अलग–अलग संग्रहित कर उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था भी की गई। स्वनिधि महोत्सव ने नवाचार के जरिए मिसाल पेश की कि हजारों लोगों की भागीदारी वाले आयोजन भी प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल तरीके से संपन्न किए जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव में प्रदेश के लगभग 2500 पथ विक्रेताओं और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य पथ विक्रेताओं की उद्यमशीलता का सम्मान करने के साथ उन्हें आर्थिक एवं डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा शहरी अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को रेखांकित करना था।

खानपान से लेकर पेयजल तक बदली व्यवस्था– महोत्सव को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए खानपान की व्यवस्थाओं में विशेष नवाचार किया गया। बीसियों फूड स्टॉलों पर प्लास्टिक की डिस्पोजेबल प्लेटों के बजाय बांस से बनी प्लेटों और प्लास्टिक के चम्मचों की जगह लकड़ी के चम्मचों का उपयोग किया गया। प्लास्टिक के कप और गिलासों का भी इस्तेमाल नहीं हुआ। इसी तरह पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलें और पाउच उपलब्ध कराने के बजाय वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में 2500 लोगों के खाने के लिए टेबल और बेंच की व्यवस्था कर बांस की थालियों में भोजन और कागज के गिलास में पानी परोसे गए। आवश्यकता के अनुसार जैव निम्नीकरणीय और कम्पोस्ट योग्य सामग्री को प्राथमिकता दी गई। इस व्यवस्था के जरिए लोगों एकल उपयोग प्लास्टिक के बिना भी किया जा सकता है।

सजावट में भी नवाचार, कचरे के निस्तारण का भी इंतजाम महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का प्रयोग केवल खानपान तक सीमित नहीं रहा।

चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन छठ व्रती डूबते सूर्य को खारुन नदी के महादेव घाट पर अर्घ्य दिया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन आज रविवार नवंबर 15 को छठ व्रती डूबते सूर्य को खारुन नदी के महादेव घाट पर अर्घ्य दिया । छठ महापर्व आयोजन समिति महादेवघाट, रायपुर के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आज रविवार को हजारों श्रद्धालु खारुन नदी के महादेव घाट पर डूबते सूर्य अर्घ्य दिया ।

उन्होंने बताया कि छठ पूजा छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई–दुर्ग, कोरबा, बस्तर एवं अन्य शहरों में बड़े धूम–धाम से मनाया जाता है। रायपुर में छठ पूजा 50 से अधिक स्थानों जैसे खारुन नदी के महादेव घाट, व्यास तालाब और अन्य तालाबों के किनारे इस वर्ष भी छठ पूजा धूम–धाम से मनाया जा रहा है ।

चार दिवसीय छठ पूजा उषा अर्घ्य के साथ सोमवार सुबह नवंबर 16 को समाप्त हो जायेगा । अंतर्राष्ट्रीय लोक गायिका गायत्री यादव (लखनऊ), लोक गायक मुकुल सिंह और लोक गायिका इशरत जहाँ केडिया (मुंबई) के द्वारा रविवार को रातभर महादेव घाट पर छठ गीतों के प्रस्तुति दी गयी । लोकधारा के मशहूर छत्तीसगढ़ी कलाकार तिलक राजा साहू और केशरी साहू के द्वारा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी । प्रयागराज की सोनाली तरुण चोपड़ा एवं टीम के कलाकारों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नृत्य नाटिका एवं झांकी की प्रस्तुति दी गयी । महादेव घाट पर नवंबर 15 को संध्या में महाआरती का आयोजन किया गया ।

छत्तीसगढ़ में फिलहाल नहीं बदलेगा मौसम अंबिकापुर में सबसे कम तापमान दर्ज

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में मौसम फिलहाल शुष्क बने रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, प्रदेश में अगले पांच दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में किसी विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। वहीं, रविवार 15 नवंबर को राजधानी रायपुर में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया गया है। शहर का अधिकतम तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम के मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहा। इस दौरान दुर्ग में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अंबिकापुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश में इस अवधि के दौरान कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई।

अगले पांच दिनों तक तापमान में खास बदलाव नहीं– मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, छत्तीसगढ़ में आने वाले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान लगभग स्थिर रहने की संभावना है। प्रदेश के मौसम में फिलहाल किसी विशेष बदलाव का अनुमान नहीं है। अगले दिन भी पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। साथ ही, मौसम विभाग ने किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की है।

एक तरफ छत्तीसगढ़ में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक स्पष्ट रूप से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। 14 नवंबर 2026 को दोपहर 2:30 बजे तक यह सिस्टम उसी क्षेत्र में सक्रिय था। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से लगभग 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। मौसम संबंधी अनुमान के मुताबिक, यह सिस्टम उत्तर–पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में इसके अवदाब में बदलने की प्रबल संभावना है। आज से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू, 3.50 लाख से अधिक टोकन जारी

मौसम विभाग के अनुसार, इसके बाद सिस्टम के उत्तर–उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ने का अनुमान है। 16 नवंबर की शाम के आसपास दक्षिणी और उससे लगे पश्चिम–मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्सों में इसके चक्रवाती तूफान के रूप में और अधिक तीव्र होने की संभावना जताई गई है। फिलहाल छत्तीसगढ़ के लिए जारी पूर्वानुमान में मौसम शुष्क रहने की बात कही गई है।

राज्यपाल डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जनजातीय अस्मिता के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि–कोटि नमन किया है। लोक भवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई–बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित लोक भवन के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे ।

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती एवं तीन दिवसीय वार्षिक क्रीडा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



उत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षत्रिय वंश के प्रणेता राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर दिनांक 16.11.2026 दिन सोमवार को तीन दिवसीय वार्षिक क्रीडा उत्सव का आयोजन रायपुर कान्वेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता कॉलोनी गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह रोड शिवानंद नगर, एवं सी0बी0एस0ई0 मान्यता प्राप्त विद्यालय केन्ट इंटरनेशनल स्कूल झीट, रायपुरा अमलेश्वर मार्ग में वार्षिक क्रीडा उत्सव का आयोजन किया गया हैं। भगवान सहस्त्रबाहु का साम्राज्य पूरे भारत वर्ष में एवं विदेशों में रहा । समस्त पिछड़ी जाति के अराध्यदेव कार्त्तवीर्यार्जुन ने अपनी आराधना से भगवान दत्तात्रेय को प्रसन्न किया था। भगवान दत्तात्रेय ने युद्ध के समय सहस्त्रार्जुन को हजार हाथों का बल प्राप्त करने का वरदान दिया था। इस कारण उसका नाम श्री सहस्त्रार्जुन पड़ा। श्री सहस्त्रार्जुन सात द्वीपों सहित हैहय साम्राज्य के चक्रवर्ति अधिपति थे। जो भी प्रातः काल श्री सहस्त्रार्जुन का नाम लेता हैं उसकी सम्पदा कभी नष्ट नहीं होती तथा नष्ट हुआ धन पुनः प्राप्त हो जाता हैं। भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा विद्यालय में प्रातः 10:00 बजे किया गया। इसके पश्चात् तीन मशाल (शक्ति, एकता व विकास) प्रज्जवलित की गई। इस अवसर पर विद्यालय में छात्र–छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार की क्रीडा प्रतियोगिता? कक्षावार आयोजित किया गया। जैस–गोला फेंक, तवा फेंक, व्यंजन प्रतियोगिता, रंगोली, पुष्पसज्जा, सुलेख, सलाद, फैसीड्रेस, कबड्डी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा हैं। कृपया आप अपने लोकप्रिय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की कृपा कीजिए।

ब्रेन डेथ घोषित होने के बाद दोनों गुर्दे दान करने का निर्णय लिया

20 वर्षीय जितेंद्र दीप ने दो लोगों को दिया जीवनदान, छत्तीसगढ़ में 16वां मृतक अंगदान संपन्न

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए रायपुर के 20 वर्षीय जितेंद्र दीप के परिजनों ने उनके ब्रेन डेथ घोषित होने के बाद दोनों गुर्दे दान करने का निर्णय लिया। परिवार के इस सराहनीय फैसले से दो जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिला है। दोनों गुर्दों का सफल प्रत्यारोपण अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर में किया गया। इस अंगदान के साथ ही छत्तीसगढ़ में 16वां मृतक अंगदान संपन्न हुआ। जितेंद्र दीप को 9 नवंबर 2026 को अज्ञात परिस्थितियों में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें प्रारंभ में डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए रामकृष्ण केयर अस्पताल, रायपुर रेफर किया गया। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद 14 नवंबर को उन्हें ब्रेन डेथ घोषित किया गया। इस दुखद घड़ी में परिजनों ने साहस और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनके दोनों गुर्दे दान करने की सहमति दी। परिवार के इस निर्णय ने उनके दुख को दो अन्य परिवारों के लिए उम्मीद और खुशियों में बदल दिया।

जितेंद्र के भाई विक्की दीप ने बताया कि जितेंद्र एक प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी थे और पांच भाई–बहनों में सबसे आज्ञाकारी बच्चों में से एक थे। उन्होंने कहा कि अंगदान से जिन लोगों को नया जीवन मिला है, उनके माध्यम से जितेंद्र की यादें हमेशा जीवित रहेंगी। सामान्य आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद परिवार द्वारा लिया गया यह निर्णय समाज के लिए त्याग और मानवता का प्रेरणादायक उदाहरण है।

दो मरीजों को मिला जीवन का नया अवसर– राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन छत्तीसगढ़ की निर्धारित अंग आवंटन नीति के अनुसार दोनों गुर्दों का आवंटन एम्स रायपुर को किया गया। एक ही दिन में दोनों गुर्दों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। दोनों मरीज गंभीर किडनी रोग से पीड़ित थे और लंबे समय से डायलिसिस पर निर्भर थे। उनके पास प्रत्यारोपण के लिए कोई उपयुक्त जीवित दाता उपलब्ध नहीं था।

पहली किडनी महासमुंद जिले के बसना निवासी 46 वर्षीय पुरुष मरीज में प्रत्यारोपित की गई। वे डायबिटिक किडनी डिजीज से पीड़ित थे और पिछले तीन वर्षों से नियमित डायलिसिस करा रहे थे। दूसरी किडनी धमतरी निवासी 39 वर्षीय पुरुष मरीज में प्रत्यारोपित की गई, जो केयर अस्पताल और एम्स की टीम का महत्वपूर्ण योगदान अंगदान की प्रक्रिया में रामकृष्ण केयर अस्पताल, रायपुर की चिकित्सा एवं प्रत्यारोपण समन्वय टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छन्द-कुण्डलियाँ

सुषमा के स्नेहिल सृजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



सूर्यषष्ठी

पावन कार्तिक मास है, खुशियाँ चारों ओर।
व्रत पूजन आराधना, अस्त भानु शुभ भोर।।

अस्त भानु शुभ भोर, पर्व यह लगता प्यारा।
देता है आनंद, दीप शुभ जलता न्यारा।।

'सुषमा' जीवन धन्य, सूर्यषष्ठी मनभावन।
खड़े सरित कर जोड़, मास है कार्तिक पावन।।

सुषमा प्रेम पटेल , रायपुर छ ग

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सुकमा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ रैली निकाली

सुकमा, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में भाजपा ने आज शनिवार को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्रा और जनसभा का आयोजन किया। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर लोकतंत्र की रक्षा और अराजकता के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत हड़मा स्टेडियम से हुई, उसके बाद जनसभा का आयोजन हुआ।



सभा के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाठिया ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद नक्सलवाद और अराजकता के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी तत्व विदेशी ताकतों के इशारे पर बस्तर की शांति भंग करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुकमा की जनता कांग्रेस के अराजक मॉडल को पहले ही नकार चुकी है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता ऐसे प्रयासों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा। भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा जिला अध्यक्ष धनीराम बारसे ने रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, यह आयोजन केवल एक रैली नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति भाजपा कार्यकर्ताओं के संकल्प का प्रतीक है। कभी नक्सलवाद और अशांति के लिए पहचाना जाने वाला सुकमा आज विकास, शिक्षा और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक बूथ कार्यकर्ता गांव–गांव तक लोकतंत्र की रक्षा का संदेश पहुंचा रहा है। रैली के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र जिंदाबाद, अराजकता मुर्दाबाद के नारे लगाए।

विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) मेटों को दिया गया प्रशिक्षण

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

। जिले में ग्रामीण विकास कार्यों के सुचारू और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज शनिवार को जिला पंचायत, बस्तर द्वारा विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत मेटों को प्रशिक्षण दिया गया।



इस प्रशिक्षण सत्र के दौरान मेटों को उनके कार्यक्षेत्र से जुड़ी विभिन्न डिजिटल प्रणालियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम, जनग्राम और भू ग्राम पोर्टल के व्यावहारिक उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही, कार्यस्थल पर मेट पंजी के सही संधारण, अन्य मेट संबंधी दायित्वों और विकसित ग्राम पंचायत प्लान प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को भी बारीकी से समझाया गया। जिला पंचायत, बस्तर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण की इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए आगामी सप्ताह में जनपद पंचायत स्तर पर क्लस्टरवार पुनः प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि जिले के समस्त मेटों को शत–प्रतिशत प्रशिक्षित किया जा सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता और डिजिटल मॉनिटरिंग को सुदृढ़ बनाना है।

मतदान के महत्व और शुद्ध मतदाता सूची पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

धमतरी (प्रतिदिन राजधानी)

लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मतदान और शुद्ध मतदाता सूची की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के विधि विभाग में 14 नवंबर को निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में शुद्ध मतदाता सूची का महत्व और मतदान का महत्व विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया, ईवीएम एवं वीवीपैट, मतदान और मतगणना प्रक्रिया से संबंधित सवाल पूछे गए। स्वीप प्रभारी प्रो. पंकज जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दो से 20 नवंबर तक जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में तीन चरणों में निर्वाचन साक्षरता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में प्रथम चरण के तहत संस्था स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निबंध प्रतियोगिता में आठ और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 12 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दोनों प्रतियोगिताओं के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अगले चरण में शामिल होने का अवसर मिलेगा। निबंध प्रतियोगिता में रूद्राणी यादव ने प्रथम तथा मानसी साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रूद्राणी यादव प्रथम और गीतांजली नाग द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्रो. पंकज जैन, प्रो. गोविंद प्रसाद, प्रो. कोमल प्रसाद, विभा पांडे, सिद्धांत दुबे, अंशिका बुधवानी, योगमाया, अनुराग जैन, तेजस्वी, पूनम, जान्हवी, नीतू, महिमा, नोमिता, आभा एवं सेचल का विशेष योगदान गोपी कुर्रे ने निभाई। ईएलसी नोडल प्रो. गोविंद प्रसाद ने विद्यार्थियों को आयोजन में सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए आगामी सभी निर्वाचनों में शत–प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक, स्वीप प्रभारी प्रो. पंकज जैन, ईएलसी नोडल प्रो. गोविंद प्रसाद, प्रो. कोमल प्रसाद यादव, कैंपस एंबेसडर विभा पांडे, अनुराग जैन सहित ईएलसी के सदस्य एवं अन्य उपस्थित रहे।

बस्तर ओलंपिक के विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में 232 का जिला स्तर पर हुआ चयन

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर ओलंपिक 2026 की विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का ब्लॉक मुख्यालय बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री खेल मैदान में शुक्रवार को आगाज हुआ और आज शनिवार को इसका समापन हुआ। बस्तर ब्लॉक से बस्तर ओलंपिक में 19236 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया और जोन एवं ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 232 विजेता प्रतिभागियों का जिले के लिए चयन हुआ। यह आंकड़ा बताता है कि ग्रामीण अंचल में खेलों के प्रति कितनी रुचि और जागरूकता बढ़ी है। इस ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलम्पिक प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल इवेंट्स में सर्वाधिक पुरस्कार करंदोला जोन के खिलाड़ियों ने हासिल किए और करंदोला जोन ओवरऑल चैंपियन रहा, वहीं मधोता जोन द्वितीय स्थान पर रहा। दोनों



जोन के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल एवं जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। अतिथियों ने मां दंतेश्वरी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अतिथियों ने बालक एवं बालिका वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता के लिए बस्तर ब्लॉक में 06 जोन बनाए गए थे। भाटपाल, इच्छापुर, तुरपुरा, मधोता, करंदोला और मुंडागांव जोन के खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, रस्साकसी सहित विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। सभी स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने शानदार जोश, उत्साह और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। ग्रामीण अंचल से आए खिलाड़ियों की प्रतिभा देखकर अतिथि भी काफी प्रभावित हुए। समापन कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष उदबोराम नाग, वरिष्ठ नागरिक रामानंद मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं का अवलोकन कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एसडीएम अजय कुमार शतरंज, सीईओ सुश्री श्वेता वर्मा, चंद्रशेखर जैन, बीईओ भारती देवांगन, बीआरसी अजम्बर कोर्राम, एबीईओ सुशील तिवारी, चंद्रभान मिश्रा, संबंधित अधिकारी, खेल प्रशिक्षक, आयोजन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

डाक जीवन बीमा में तकनीकी बदलाव, 16 से 24 नवंबर तक बंद रहेंगे लेन-देन

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

डाक विभाग द्वारा डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा सेवाओं को अधिक आधुनिक, प्रभावी और सुचारु बनाने के उद्देश्य से नई बीमा प्रबंधन समाधान प्रणाली लागू की जा रही है। इस तकनीकी बदलाव के चलते 16 नवंबर से 24 नवंबर 2026 तक डाक जीवन बीमा से संबंधित सभी प्रकार के लेन–देन अस्थायी रूप से बंद रहेंगे।

डाक जीवन बीमा
POSTAL LIFE INSURANCE
CENTRAL PROCESSING CENTRE

डाक विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस अवधि में पॉलिसी का प्रीमियम भुगतान सहित अन्य संबंधित वित्तीय लेन–देन नहीं किए जा सकेंगे। ऐसे में विभाग ने सभी पॉलिसीधारकों से अपील की है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपना बकाया बीमा प्रीमियम 15 नवंबर 2026 तक जमा कर दें। डाक विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन पॉलिसी धारकों के लिए 15 नवंबर तक प्रीमियम जमा करना संभव नहीं होगा, वे नई प्रणाली के माध्यम से 25 नवंबर 2026 से सेवाएं दोबारा शुरू होने के बाद अपना प्रीमियम जमा कर सकेंगे। नई प्रणाली लागू होने से डाक जीवन बीमा सेवाओं के प्रबंधन को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पॉलिसीधारकों को बेहतर ग्राहक सेवा उपलब्ध कराना तथा बीमा संबंधी कार्यों को अधिक सुचारु बनाना है।

कोंडागांव में तबादले व निलंबन के बाद भी पटवारी हड़ताल पर अड़े, 62 का हुआ ट्रांसफर, 8 निलंबित



जिले में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को करीब एक महीना होने जा रहा है, लेकिन अब तक आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी 13 अक्टूबर से हड़ताल पर हैं। प्रशासन की सख्ती के बाद भी पटवारी काम पर लौटने को तैयार नहीं हैं। इस दौरान प्रशासन ने 62 पटवारियों का तबादला किया और 8 पटवारियों को निलंबित भी कर दिया, लेकिन इसका आंदोलन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। पटवारी संघ ने साफ कर दिया है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

कलेक्टर कार्यालय की भू–अभिलेख शाखा ने 16 अक्टूबर 2026 को आदेश क्रमांक 462 जारी किया था। इसके तहत जिले की अलग–अलग तहसीलों में पदस्थ 62 पटवारियों को प्रशासनिक कारणों से अस्थायी रूप से दूसरे पटवारी हल्कों में भेजा गया था। इसके बाद प्रशासन ने संशोधित तबादला आदेश भी जारी किया। प्रशासन ने यह कदम राजस्व का काम–काज जारी रखने के लिए उठाया था। हालांकि तबादले के बाद भी पटवारियों ने हड़ताल खत्म नहीं की। हड़ताल के दौरान प्रशासन ने अनुपस्थित रहने, नोटिस का जवाब नहीं देने और आदेशों का पालन नहीं करने पर 8 पटवारियों को निलंबित कर दिया। इसके बावजूद पटवारी संघ अपने फैसले पर कायम है और आंदोलन जारी रखे हुए है। पटवारियों की हड़ताल से आम लोगों के राजस्व संबंधी काम प्रभावित हो रहे हैं। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, जमीन के रिकॉर्ड में सुधार और अलग–अलग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। कई लोगों को जरूरी दस्तावेज और राजस्व रिपोर्ट मिलने का इंतजार करना पड़ रहा है।

पारंपरिक मातर उत्सव में विधायक चंद्राकर

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

ग्राम सिलोदा में आयोजित पारंपरिक मातर उत्सव में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए और उत्सव की खुशियों को ग्रामीणों के साथ साझा किया। यादव समाज द्वारा आयोजित पारंपरिक मातर महोत्सव में विधायक ने खोड़हर देव एवं भगवान श्रीकृष्ण की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान ग्रामीणों में उत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।



उन्होंने कहा कि मातर उत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपरा, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह पर्व हमारी माटी की संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखता है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से सभी ग्रामवासियों की सुख–समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। इस उत्सव में गौ–वंश की पूजा–अर्चना का विशेष महत्व है। गांव के ग्वाल–बाल सज–धज कर, नाचते–गाते हुए गौ–माता को गांव में भ्रमण कराते हैं। खोड़हर देव और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। गौ–माता को गोवर्धन की परिक्रमा कराई जाती है और गौ–वंश को खिचड़ी खिलाई जाती है। मातर के दौरान गांव–गांव में ठाकुर जोहरनी, भ्रमण, आतिशबाजी, लोकनृत्य और लोकगीतों की धूम रहती है। यह पर्व गौ–सेवा, प्रकृति के प्रति श्रद्धा, वीरता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। मातर उत्सव छत्तीसगढ़ की पहचान और यादव समाज की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक माना जाता है।

भिलाई के नेहरू नगर मुख्य मार्ग पर स्थापित होगी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा

भिलाई, (प्रतिदिन राजधानी)

आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा अब भिलाई के नेहरू नगर मुख्य मार्ग पर भी अपनी पहचान बनाएगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रयासों से नेहरू नगर मुख्य मार्ग पर भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। विधायक द्वारा नगर पालिक निगम भिलाई में रखे गए इस प्रस्ताव को महापौर परिषद की 13 नवंबर को हुई बैठक में सहमति मिल गई है। अब जल्द ही नेहरू नगर मुख्य मार्ग पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।



इस पहल के पीछे भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का आह्वान और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर देश के आदिवासी महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने की भावना प्रमुख रूप से जुड़ी हुई है। स्मृति ईरानी के आह्वान पर विधायक रिकेश सेन ने भिलाई में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना का प्रस्ताव निगम के समक्ष रखा था। एमआईसी की सहमति के बाद यह पहल अब मूर्त रूप लेने की दिशा में आगे बढ़ गई है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि नेहरू नगर मुख्य मार्ग पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने की पहल को केवल एक प्रतिमा स्थापना तक सीमित नहीं माना जा रहा है। यह भिलाई शहर में आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और सामाजिक दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य मार्ग नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों को देश के इस महान स्वतंत्रता सेनानी के संघर्ष और बलिदान को जानने का अवसर मिलेगा।

पोटियाकला पहुंचे मंत्री गजेन्द्र, समस्या निराकरण के निर्देश

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

केबिनेट मंत्री एवं विधायक गजेन्द्र यादव गुरुवार को पोटियाकला वार्ड पहुंचे, जहां उन्होंने वार्ड पार्षद, स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ वार्ड का भ्रमण कर क्षेत्र की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।



इस दौरान नागरिकों ने सड़क, नाली, साफ–सफाई एवं पेयजल सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने मौके पर उपस्थित नगर निगम आयुक्त एवं संबंधित इंजीनियरों को नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वार्ड में सड़क एवं नालियों का आवश्यकतानुसार संधारण किया जाए, नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित हो तथा नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सड़क एवं नाली निर्माण के जिन कार्यों में विलंब हो रहा है अथवा जो कार्य अधूरे हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही वार्ड की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। क्षेत्र की समस्याओं का समाधान केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि धरातल पर उसका सकारात्मक परिणाम दिखाई दे। जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया गया कि पोटियाकला के दोनों वार्ड में निरंतर विकास कार्य किये जा रहे है। स्कूल का बाउंड्रीवाल, कबीर भवन में पेवर ब्लॉक, दशहरा मैदान में हाईमास्क लाइट, सीमेंटीकरण सड़क, दो सामाजिक भवन, मंदिर का जीर्णोद्धार सहित विभिन्न विकास कार्य किये जा चुके है क्षेत्र में और भी विकास कार्य के मंत्री ने वार्डवासियों के साथ चर्चा किये।

12वीं पास विद्यार्थियों को मिलेगी मुफ्त आवासीय नीट कोचिंग, एसईसीएल की चयन परीक्षा 29 नवंबर को

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

चिकित्सक बनने का सपना देख रहे 12वीं पास विद्यार्थियों के लिए साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने निशुल्क आवासीय नीट कोचिंग की सुविधा शुरू की है। सीएसआर के तहत संचालित 'एसईसीएल के सुश्रुत' परियोजना के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को बिलासपुर की प्रीमियर एजुकेशन एकेडमी में कोचिंग दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें अध्ययन सामग्री, छात्रावास और भोजन की सुविधा भी पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

इस योजना का लाभ भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान (पीसीबी) विषयों के साथ 12वीं उत्तीर्ण वे विद्यार्थी ले सकेंगे, जो एसईसीएल की खनन परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों के आश्रित हैं या एसईसीएल खदानों के आसपास के ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्रों में निवास करते हैं। इसके लिए चयन परीक्षा 29 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

भारत ने न्यूजीलैंड को पांचवें वनडे में 22 रन से हराया, सीरीज पर 3-1 से किया कब्जा

अर्शदीप रहे प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि बरार ने प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीत

माउंट माउंगानुई। भारतीय तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पांचवें और निर्णायक वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। बे ओवल में खेले गए कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 209 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.1 ओवर में 187 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड की धरती पर तीसरी बार एकदिवसीय श्रृंखला जीतने का गौरव हासिल किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 2009 और 2018-19 में यहां वनडे श्रृंखला जीती थी। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 28 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज ने 50 रन देकर दो विकेट हासिल किए। औकीब नबी, यश ठाकुर और नमन धीर को एक-एक सफलता मिली। न्यूजीलैंड की ओर से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। अर्शदीप सिंह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच व गुरनूर बरार को सीरीज में 9 विकेट हासिल करने के लिए मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत संभली हुई रही।

टिम सीफर्ट और विल यंग ने शुरुआती दो ओवर सावधानी से खेले, लेकिन मोहम्मद सिराज ने पांचवें ओवर में सीफर्ट को 14 रन के निजी स्कोर पर मिड-ऑन पर कैच करा दिया। न्यूजीलैंड का पहला विकेट 26 रन पर गिरा। इसके बाद विल यंग और निक केली ने पारी को आगे बढ़ाया। यंग 42 गेंदों पर 22 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर ऋतुराज गायकवाड़ को कैच दे बैठे। 64 रन पर दूसरा विकेट गिरने के बाद निक केली और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पारी संभालने की कोशिश की। अर्शदीप ने 22 रन बनाने वाले केली और फिन एलन को लगातार दो ओवरों में आउट कर न्यूजीलैंड को 83 रन पर चार झटके दे दिए। इसके बाद फॉक्सक्रॉफ्ट और माइकल ब्रेसवेल ने पांचवें विकेट के लिए संघर्ष किया। दोनों ने टीम का स्कोर 116 रन तक पहुंचाया। औकीब नबी ने ब्रेसवेल को 19 रन पर आउट किया, जबकि यश ठाकुर ने 42 गेंदों पर 31 रन बनाने वाले फॉक्सक्रॉफ्ट को पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड का स्कोर 119 रन पर छह विकेट हो गया। कप्तान मिचेल सैंटनर और क्रिस्टियन क्लार्क ने इसके बाद पारी को संभालते हुए टीम का स्कोर 155 रन तक पहुंचाया। नमन धीर ने 24 रन बना चुके सैंटनर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अर्शदीप ने क्लार्क को 16 रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। अक्षर पटेल ने जैकब डफी को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को नौवां झटका दिया।

डफी ने नौ रन बनाए। अंतिम दो ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 23 रन की जरूरत थी। अक्षर पटेल ने ब्लेयर टिकनर को 14 रन पर आउट कर मेजबान टीम की पारी 187 रन पर समाप्त कर दी।

भारतीय बल्लेबाजी फिर लड़खड़ाई : इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। रोहित सात रन बनाकर जैकब डफी की गेंद पर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को कैच दे बैठे। इसके बाद विराट कोहली पांच रन बनाकर मैथ्यू फिशर की गेंद पर विकेटकीपर टिम सीफर्ट को कैच थमा बैठे। भारत ने 33 रन पर दो विकेट गंवा दिए। अगले ही ओवर में डफी ने ऋतुराज गायकवाड़ को 18 रन के निजी स्कोर पर सीफर्ट के हाथों कैच करा दिया। भारत का स्कोर 34 रन पर तीन विकेट हो गया। इसके बाद अक्षर पटेल और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 52 रन जोड़े। अय्यर ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए, जिसमें तीन चौके शामिल थे। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में कैच कराया। भारत का चौथा विकेट 86 रन पर गिरा। अक्षर ने ईशान किशन के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों के बीच साझेदारी मजबूत हो रही थी, लेकिन माइकल ब्रेसवेल ने 55 गेंदों पर 46 रन बनाने वाले अक्षर को विल यंग के हाथों कैच करा दिया। अक्षर की पारी में पांच चौके और एक छक्का शामिल था। भारत ने 121 रन पर पांचवां विकेट गंवाया। ईशान किशन और नमन धीर ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। नमन 22 गेंदों पर 31 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर निक केली को कैच दे बैठे। सैंटनर ने इसके बाद औकीब नबी को पांच और यश ठाकुर को बिना खाता खोले आउट कर भारत का स्कोर 166 रन पर आठ विकेट कर दिया। ईशान किशन ने 58 गेंदों पर 46 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। उन्हें डफी ने आउट किया। इसके बाद अर्शदीप सिंह ने महज चार गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 14 रन बनाए, जबकि मोहम्मद सिराज 20 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 28 रन जोड़कर भारत को 209 रन तक पहुंचाया।



न्यूजीलैंड में भारत 17 वनडे जीते

भारत ने न्यूजीलैंड में अब तक 17 मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान के नाम 15 जीत हैं। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया 31 जीत के साथ सबसे आगे है। भारत ने न्यूजीलैंड में आखिरी बार 2019 में वनडे सीरीज जीती थी। तब टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद 2020 में भारत को 3-0 और 2022 में 1-0 से हार मिली।

गंभीर की कोचिंग में पहली विदेशी वनडे सीरीज जीती

गौतम गंभीर को 9 जुलाई 2024 को भारत का हेड कोच बनाया गया था। उनकी कोचिंग में भारत ने पहली बार विदेश में वनडे सीरीज जीती है। न्यूजीलैंड दौरे से पहले गंभीर की कोचिंग में भारत ने तीन विदेशी द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली थीं। तीनों में टीम को हार मिली थी। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान पहला वनडे जीता। पिछले मैच में उनकी वनडे कप्तानी का डेब्यू हुआ था। इस मैच में भारत को उसके वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी हार मिली थी। टीम इंडिया 244 रन से हार गई थी।

सचिन का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके कोहली और रोहित

न्यूजीलैंड में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने 22 मैचों में 821 रन बनाए हैं। विराट कोहली 18 मैचों में 682 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वे सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने से 139 रन दूर रह गए। रोहित शर्मा 19 मैचों में 467 रन ही बना सके।







महिला प्रीमियर लीग 2027 के मुंबई चरण का आयोजन अब वानखेड़े स्टेडियम में होगा



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के मुंबई चरण के आयोजन स्थल में बदलाव की घोषणा की। अब मुंबई चरण के मुकाबले ब्रेबोर्न स्टेडियम के बजाय वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। हालांकि, मुकाबलों की तारीखों और कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

डब्ल्यूपीएल संचालन परिषद ने 15 सितंबर को हुई बैठक में टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण के मूल आयोजन स्थलों और तारीखों को मंजूरी दी थी। उस कार्यक्रम के अनुसार, मुंबई चरण के तहत 12वें से 20वें मुकाबले, एलिमिनेटर और फाइनल का आयोजन 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक ब्रेबोर्न स्टेडियम में होना था। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) को 14 फरवरी 2027 से पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भी करनी है। इसी को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चिंता जताई थी कि डब्ल्यूपीएल के समापन और बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत के बीच का अंतर पिचों को दोबारा तैयार होने और उनकी स्थिति में सुधार के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इसके बाद मुंबई चरण का आयोजन स्थल बदलने का फैसला किया गया। डब्ल्यूपीएल 2027 की शुरुआत 14 जनवरी को वडोदरा में होगी। टूर्नामेंट के पहले 11 मुकाबले 24 जनवरी तक वडोदरा में खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता मुंबई पहुंचेगी, जहां 7 फरवरी को फाइनल के साथ इसका समापन होगा। दोनों आयोजन स्थलों पर सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होंगे।

सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के 37 साल पूरे होने पर बचपन की यादगार तस्वीर को जीवंत किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के 37 साल पूरे होने पर अपने बचपन की एक यादगार तस्वीर को जीवंत किया। उन्होंने अपने पहले क्रिकेट बल्ले को हाथ में लेकर बचपन की उसी प्रतिष्ठित तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया। सचिन ने 15 नवंबर, 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उस समय उनकी उम्र 16 साल और 205 दिन थी। वह कई वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी रहे। हालांकि, इस साल वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करते हुए 15 साल और 99 दिन की उम्र में उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन के क्रिकेट सफर को याद करते ही प्रशंसकों के जेहन में बचपन की वह तस्वीर उभरती है, जिसमें लंबे बालों वाले नन्हे सचिन हाथ में बल्ला थामे गेंद का सामना करने के लिए तैयार नजर आते हैं। यह तस्वीर उनके बचपन की प्रतिभा से लेकर क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने तक के सफर की याद दिलाती है। अब 53 साल की उम्र में सचिन ने उसी बल्ले को हाथ में लेकर





उस तस्वीर को फिर से जीवंत किया। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, 'पहले बल्ले की बात है, 49 साल बाद भी मेरे साथ है!

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड : सचिन तेंदुलकर को अपने दौर का सबसे संपूर्ण बल्लेबाज और क्रिकेट इतिहास का सबसे सफल रन बनाने वाला खिलाड़ी माना जाता है। उनके नाम टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड है। खास बात यह है कि उन्होंने अपना पहला एकदिवसीय शतक 79वें मुकाबले में बनाया था। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 34,357 रन बनाए, जो क्रिकेट इतिहास में किसी भी बल्लेबाज से अधिक हैं। उन्होंने 200 टेस्ट मुकाबले खेले, जो इस प्रारूप में किसी भी खिलाड़ी के सर्वाधिक हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 15,921 रन, 51 शतक और 2,058 चौके दर्ज हैं। वह 300 पारियों में 15 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में सचिन ने 463 मुकाबलों में 44.83 की औसत से 18,426 रन बनाए। इस प्रारूप में उनके नाम 49 शतक और 96 अर्धशतक हैं। उन्होंने मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरुआत की और बाद में दुनिया के महानतम एकदिवसीय बल्लेबाजों तथा सलामी बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। सचिन 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इसके अलावा उन्होंने 2002 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम में भी योगदान दिया। विश्व कप के 45 मुकाबलों में उन्होंने 56.95 की औसत से 2,278 रन बनाए, जिसमें छह शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। विश्व कप में उनका सर्वोच्च स्कोर 152 रन रहा। वह आज भी इस टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

छत्तीसगढ़ समाचार

माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज का लोकार्पण, जशपुर में नर्सिंग शिक्षा को मिली नई पहचान

जशपुर। छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार, 15 नवंबर को जशपुर के आरा में एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज का लोकार्पण किया। वे लोकार्पण एवं कैपिंग समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कॉलेज का संचालन छत्तीसगढ़ शासन के साथ गैर-लाभकारी संयुक्त उपक्रम प्रचेत फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। कॉलेज का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी समुदायों की युवतियों को नर्सिंग शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, 'स्वास्थ्य ही धन है, और हम छत्तीसगढ़ को स्वस्थ रखना चाहते हैं। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य बना, तब यहाँ केवल एक मेडिकल कॉलेज था; 25 वर्षों में यह संख्या बढ़कर 15 हो गई है। लेकिन नर्सों के बिना डॉक्टर भी अधूरे हैं, इसलिए हमें बहुत खुशी है कि यह पाठ्यक्रम शुरू हुआ है। नर्सिंग केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक नेक काम है। ये बेटियाँ मेरे अपने जिले की हैं, इसलिए यह अवसर मेरे लिए विशेष है। 'मुख्यमंत्री ने पैनआईआईटी एलुमनाई फाउंडेशन से राज्य में नर्सिंग के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी पहल करने का आग्रह किया।



उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ बनाएँगे। इस राज्य में अपार संभावनाएँ हैं।' प्रचेत फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक कल्याण टी. चक्रवर्ती ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी के विज़न से प्रेरित होकर, बिरसा मुंडा जयंती के पावन अवसर पर उनके गृह जिले में पहला एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज शुरू हुआ है। इस आदिवासी बहुल राज्य के लिए यह पहला कदम है। आदिवासी राज्यों में काम करने के अपने अनुभव के आधार पर हमारा लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में विस्तार करना और बाज़ार की मांग के अनुसार विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और पाक कला (कुलिनरी) जैसे अन्य व्यवसायों के कॉलेज भी शुरू करना है।' प्रचेत फाउंडेशन का उद्देश्य संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना है। फाउंडेशन का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में प्रति वर्ष 5,000 से 7,500 युवाओं को प्रशिक्षण देने की क्षमता विकसित करना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत केंद्र सरकार की योजना से ?25 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि जशपुर, कोरबा, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और जगदलपुर में एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेजों की स्थापना एवं संचालन तथा इन जिलों में ग्रामीण उद्यमिता संबंधी पहलों के लिए है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की स्वीकृति से फाउंडेशन कुल आठ एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज स्थापित करेगा, जिनमें दो वर्षीय पाठ्यक्रम होगा। पहले चरण में जशपुर, कोरबा, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और जगदलपुर के कॉलेज शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शुरू होंगे, जबकि बलरामपुर, रायगढ़, राजनांदगांव और दंतेवाड़ा के कॉलेज 2027-28 में शुरू किए जाने प्रस्तावित हैं। प्रत्येक कॉलेज में हर वर्ष आदिवासी एवं अन्य वंचित समुदायों की 120 छात्राओं को प्रवेश देने का लक्ष्य है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली छात्राओं को 100% प्लेसमेंट सहायता दी जाएगी, जिसके तहत उन्हें अपोलो ग्रुप, मेदांता ग्रुप, क्लाउडनाइन हॉस्पिटल्स और फर्नांडिस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स सहित देश भर के प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्थानों में रोज़गार के अवसर मिलेंगे। जशपुर कॉलेज के पहले बैच की अधिकांश छात्राएँ जशपुर जिले की ही हैं।

पैनआईआईटी एलुमनाई इंडिया के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा, 'लोगों को ऐसे ही पाठ्यक्रमों की ज़रूरत है: उनके घर के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और वह भी बेहतरीन प्रशिक्षकों द्वारा। सुनिश्चित प्लेसमेंट इसका सबसे बड़ा लाभ है, क्योंकि केवल एक कॉलेज अपने दम पर अच्छे नियोक्ता नहीं ला सकता।' कैपिंग समारोह प्रशिक्षु नर्सों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। नर्सिंग पेशे के मूल मूल्यों - सेवा, समर्पण, अनुशासन और करुणा - के प्रतीक इस समारोह में छात्राओं ने अपनी पेशेगत ज़िम्मेदारियों और स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। ईवाई फाउंडेशन जशपुर कॉलेज की 120 छात्राओं के पहले बैच के प्रशिक्षण में सहयोग कर रहा है। फाउंडेशन ने इन छात्राओं के लिए योग्यता और आर्थिक आवश्यकता के आधार पर छात्रवृत्ति की भी घोषणा की है। ईवाई फाउंडेशन इंडिया के प्रमुख सौरभ आनंद ने कहा, 'भारत में ईवाई फाउंडेशन दो दशकों से अधिक समय से युवाओं की शिक्षा में सहयोग करता आ रहा है, और यह साझेदारी युवाओं को शिक्षा से रोज़गार तक पहुँचने में मदद करके उस यात्रा को आगे बढ़ाती है। हमें जशपुर के आरा में प्रचेत फाउंडेशन के पहले एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज और उसकी युवतियों के पहले बैच को सहयोग देने पर गर्व है। इससे उनके लिए संगठित कार्यबल में प्रवेश करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भविष्य बनाने के रास्ते खुलेंगे। सरकार और निजी क्षेत्र के मज़बूत सहयोग तथा मापने योग्य परिणामों के माध्यम से हमें आशा है कि यह कॉलेज एक प्रकाश स्तंभ बनेगा, जो कौशल और प्लेसमेंट आधारित ऐसे ही अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा और एक ऐसा टिकाऊ मॉडल प्रस्तुत करेगा जिसे अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सके।' जशपुर के आरा में एएनएम नर्सिंग कौशल कॉलेज का लोकार्पण क्षेत्र में नर्सिंग शिक्षा के विस्तार, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में झोंके 76,188 करोड़ रुपये, तीन साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। लगातार दो महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में ऐतिहासिक वापसी की है। सिर्फ दो सप्ताह के भीतर ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार में इतना पैसा लगा दिया है कि तीन साल पुराना मंथली रिकॉर्ड भी टूट गया है। विदेशी निवेशकों के इस जबरदस्त उत्साह से दलाल स्ट्रीट की रौनक फिर से लौट आई है और घरेलू निवेशकों का मनोबल भी काफी मजबूत हुआ है। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 13 नवंबर 2026 के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी मार्केट में 76,188.75 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। इससे पहले किसी एक महीने में सर्वाधिक विदेशी निवेश का रिकॉर्ड दिसंबर 2023 के नाम दर्ज था, जब एफपीआई ने एक महीने में 66,135 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस बार नवंबर मे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने ताबड़तोड़ खरीदारी करते हुए नया कीर्तिमान बना डाला। महीने के शुरुआती नौ कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई द्वारा दिसंबर 2023 बनाया 66,135 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पीछे छूट गया और अब एक नया रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। नवंबर की यह ताबड़तोड़ खरीदारी इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि इससे ठीक पहले के दो महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार से जम कर पूंजी निकाली थी। सितंबर महीने में विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये और अक्टूबर महीने में 34,843 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। इस तरह दो महीनों में कुल 70,704 करोड़ रुपये भारतीय बाजार से बाहर चले गए थे, जिसकी पूरी भरपाई नवंबर के शुरुआती दो हफ्तों में ही हो गई है। विदेशी निवेशकों के भारत की ओर अचानक हुए इस रुझान के पीछे ग्लोबल टेक मार्केट में आई उथल-पुथल को एक बड़ा कारण माना जा रहा है।



कोचीन शिपयार्ड, पीएफसी और ऑयल इंडिया समेत 4 सरकारी कंपनियां इस सप्ताह बांटेंगी अंतरिम लाभांश

नई दिल्ली। सोमवार यानी 16 नवंबर से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान चार प्रमुख सरकारी कंपनियों के शेयर निवेशकों के रडार पर रहेंगे। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने शेयरधारकों को अंतरिम लाभांश यानी इंटरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। डिविडेंड के लिए इन चारों सरकारी कंपनियों की रिकॉर्ड डेट इसी सप्ताह 16 से 20 नवंबर के बीच पड़ रही है। डिविडेंड देने वाली कंपनियों की इस लिस्ट में सबसे पहला नाम रक्षा और जहाज निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड का है। कंपनी के निदेशक मंडल ने अपने निवेशकों को प्रति शेयर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसके लिए 16 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय की गई है। पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कोचीन शिपयार्ड का शेयर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,178.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान इस स्टॉक में करीब 6.87 प्रतिशत और छह महीने में 28.69 प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली है। समुद्री परिवहन क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया भी इस सप्ताह डिविडेंड को लेकर चर्चा में रहने वाली है। कंपनी ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए प्रति शेयर 4 रुपये के अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। इस डिविडेंड के लिए भी 16 नवंबर की तारीख को ही रिकॉर्ड डेट निर्धारित किया गया है। इसके पहले शुक्रवार को बाजार की गिरावट के बावजूद यह शेयर 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 270.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक सप्ताह में इस शेयर ने 3.64 प्रतिशत और दो सप्ताह में 10.47 प्रतिशत की शानदार तेजी दिखाई है। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र को कर्ज देने वाली सरकारी कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन यानी पीएफसी भी निवेशकों को डिविडेंड का तोहफा दे रही है। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 4.10 रुपये के अंतरिम डिविडेंड को अपनी मंजूरी प्रदान की है। पीएफसी के इस डिविडेंड के लिए 17 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। हाल के दिनों में इस शेयर में अच्छी खरीदारी देखी गई है, जिससे पिछले एक सप्ताह में इसमें 2.01 प्रतिशत और दो सप्ताह में 6.56 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई है। हालांकि, सालाना आधार पर देखें तो बीते एक वर्ष में यह स्टॉक 10.26 प्रतिशत नीचे आया है। सप्ताह के अंत में ऑयल एंड नेचुरल गैस सेक्टर की महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में डिविडेंड को लेकर हलचल देखने को मिलेगी। ऑयल इंडिया ने इन कंपनियों के मुकाबले सबसे अधिक यानी प्रति शेयर 7 रुपये के अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी ने इस भुगतान के लिए 20 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय किया है। शुक्रवार को ऑयल इंडिया का शेयर 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 442.85 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने में इसमें 7.67 प्रतिशत की गिरावट जरूर आई है, लेकिन एक साल में यह शेयर 1.97 प्रतिशत चढ़ा है। शेयर बाजार के नियमों के अनुसार टी प्लस वन सेटलमेंट प्रणाली लागू होने के कारण रिकॉर्ड डेट वाले दिन ही शेयर एक्स-डिविडेंड भी हो जाते हैं।



साप्ताहिक समीक्षा : ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज पर बढ़ा दबाव, बिटकॉइन में लगभग 18 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। सोमवार से रविवार के बीच चौतरफा बिकवाली के कारण शीर्ष 15 में शामिल अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियां गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करती रहीं। अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से लगातार पूंजी निकासी और फेडरल रिजर्व की सख्त ब्याज दर नीतियों की आशंका ने निवेशकों का मनोबल तोड़ दिया। निवेशकों के बीच बने निगेटिव सेंटिमेंट की वजह से क्रिप्टो करेंसी मार्केट का लीडर बिटकॉइन इस सप्ताह के कारोबार में लगभग 18 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। मार्केट कैपिटलाइजेशन के मोर्चे पर इस सप्ताह क्रिप्टो वर्ल्ड को बड़ा झटका लगा है। सप्ताह की शुरुआत में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप लगभग 2.55 ट्रिलियन डॉलर के आसपास बना हुआ था, वह आज भारतीय समय के अनुसार शाम 6:30 बजे तक घट कर 2.14 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर सिमट गया। इस तरह सिर्फ सात दिन के भीतर क्रिप्टो करेंसी सेक्टर के इन्वेस्टर्स की संपत्ति में करीब 400 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ गई। दुनिया की सबसे बड़ी आभासी मुद्रा बिटकॉइन के लिए यह सप्ताह बेहद निराशाजनक रहा। इस सप्ताह के कारोबार में बिटकॉइन में साप्ताहिक आधार पर 17.94 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को लगभग 75,794 डॉलर के स्तर पर कारोबार करने वाला बिटकॉइन लगातार फिसलते हुए रविवार सुबह 62,199 डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। पूरे सप्ताह में बिटकॉइन की कीमत में करीब 13,595 डॉलर की बड़ी टूट दर्ज की गई है, जिससे यह जुलाई 2026 के बाद के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम पर भी इस सप्ताह बिकवाली का जबरदस्त दबाव बना रहा।



स्वास्थ्य समाचार

रोज करें ये योगासन स्किन बनी रहेगी ग्लोइंग

सर्दियों में स्किन डल, बेजान और रूखी नजर आने लगती है। ऐसे में स्किन को बाहर से मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी होता है। लेकिन स्किन में निखार लाने के लिए, स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए अंदरुनी क्लीनिंग भी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए योग फायदेमंद साबित हो सकता है। रोजाना योग करने से आप ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। नियमित रूप से योग करने से चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइंस दूर होते हैं। मुहांसों, दाग-धब्बों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही स्किन में शाइनी और ग्लोइंग बनती है। इसलिए सर्दियों में अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए आपको भी योग जरूर करना चाहिए।



सर्वांगासन

अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारने, स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए आप सर्वांगासन कर सकते हैं। इस आसन को करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे चेहरे की झुर्रियां, मुहांसों और फाइन लाइंस से छुटकारा मिल सकता है।

सर्वांगासन की विधि

- इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आप पीठ के बल लेट जाएं।
- इसके बाद अपने दोनों पैरों को 90 डिग्री तक ऊपर उठाएं।
- फिर अपने दोनों हाथों को कमर पर लगाएं।
- पैरों के साथ ही कमर तक के हिस्से को भी धीरे-धीरे ऊपर उठाएं।
- अपनी ठोड़ी को सीने पर लगाने की कोशिश करें।
- आप इस आसन में 30 सैकेंड तक रह सकते हैं।
- फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं। आप इस आसन को 3-5 बार कर सकते हैं।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन करने से आपकी स्किन ग्लोइंग नजर आ सकती है। इस आसन को करने से आपकी स्किन प्रॉब्लम्स में भी सुधार हो सकता है। मुहांसों, दाग-धब्बों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही चेहरे में निखार भी आता है।

त्रिकोणासन की विधि

- इस आसन को करने के लिए आप दोनों पैरों के बीच दूरी बनाकर खड़े हो जाएं।
- अब अपने हाथों को जांघों के बगल में रखें।
- इसके बाद अपने हाथों को कंधों तक फैलाएं।
- फिर धीरे-धीरे सांस लेते हुए दाएं हाथ को सिर से ऊपर ले जाएं।
- सांस छोड़ते हुए शरीर को बाईं तरफ झुकाएं। बाएं हाथ को जमीन पर बाएं पैर के पास रखें।
- इस स्थिति में आपके घुटने नहीं मुड़ने चाहिए।
- 20-30 सेकेंड तक इस पोजिशन में रहें। फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं।
- इसके बाद बाएं हाथ को सिर से ऊपर ले जाएं और शरीर को दाईं तरफ झुकाएं।
- आप इस आसन को 5-6 बार कर सकते हैं।

धनुरासन

चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने, स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए आप धुनरासन भी कर सकते हैं। धनुरासन करने से शरीर में रक्त का प्रवाह तेज होता है, इससे आपका चेहरा ग्लोइंग, निखरा हुआ और अच्छा नजर आ सकता है।

धनुरासन की विधि

- इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आप पेट के बल लेट जाएं।
- अब सांस छोड़ते हुए अपने दोनों घुटनों को मोड़ लें।
- अपने दोनों हाथों से टखनों को पकड़ लें।
- फिर सांस लेते हुए अपने सिर, छाती और जांघ को ऊपर उठाएं।
- आप अपनी क्षमतानुसार शरीर को ऊपर उठा सकते हैं।
- इस अवस्था में शरीर के भार को पेट के निचले हिस्से पर लेने की कोशिश करें।
- इसके बाद धीरे-धीरे अपने पैरों के बीच की दूरी को कम करें।

डायबिटीज में घातक हो सकती है स्मोकिंग की लत, बढ़ जाता है इन समस्याओं का जोखिम

आज के समय में डायबिटीज एक गंभीर और आम समस्या बन चुकी है। आजकल सिर्फ बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा और बच्चे भी डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। डायबिटीज को आम भाषा में शुगर की बीमारी कहा जाता है। इसमें व्यक्ति का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं रहता है। डायबिटीज को एक जीवनशैली रोग माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर हमारी जीवनशैली की कुछ खराब आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। अगर डायबिटीज का समय रहते उपचार न किया जाए, तो इससे कई अन्य गंभीर रोगों का जोखिम बढ़ जाता है। डायबिटीज की समस्या को पूरी तरह से तो ठीक नहीं किया जा सकता है, लेकिन डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करके इसे कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे में अगर आपको धूम्रपान करने की आदत है, तो आप उसे तुरंत छोड़ दें। स्मोकिंग वैसे तो सभी के लिए नुकसनदायक होती है, लेकिन डायबिटीज में स्मोकिंग करने से आपकी स्थिति और ज्यादा खराब हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि निकोटिन आपके शरीर को इंसुलिन के प्रति और अधिक प्रतिरोधी बना देता है ब्लड शुगर के स्तर को काफी अधिक बढ़ा देता है। इसकी वजह से ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करना काफी मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, डायबिटीज में स्मोकिंग करने से कई गंभीर समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है।

ग्लूकोज का लेवल बिगड़ सकता है

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं और धूम्रपान करते हैं, तो इससे आपकी स्थिति और खराब हो सकती है। धूम्रपान करने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। डायबिटीज में स्मोकिंग करने की वजह से ग्लूकोज का लेवल कम या ज्यादा हो सकता है, जिससे आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है।

ऐल्ब्युमिनमेह

डायबिटीज में स्मोकिंग करने से ऐल्ब्युमिनमेह की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या में यूरिन में असामान्य मात्रा में ऐलब्युमिन नामक प्रोटीन पाया जाता है। यूरिन में इस प्रोटीन की बहुत ज्यादा मात्रा होने पर नर्व्स डैमेज होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इसके साथ ही, घावों को ठीक होने में भी काफी ज्यादा समय लगता है।

किडनी से जुड़ी बीमारियां

डायबिटीज के दौरान स्मोकिंग करने से किडनी संबंधी बीमारियों का जोखिम भी काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इसके अलावा, इससे आंखों में इंफेक्शन का खतरा भी काफी बढ़ सकता है।

दिल से जुड़ी समस्याएं

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो धूम्रपान से दूरी बनाकर रखें। धूम्रपान और तम्बाकू के सेवन से दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, सिगरेट में मौजूद केमिकल्स और टार से एथेरोस्क्लेरोसिस का जोखिम बढ़ सकता है, जिससे ब्लड वेसल्स में प्लाक जमना शुरू हो जाता है। इतना ही नहीं, इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है।

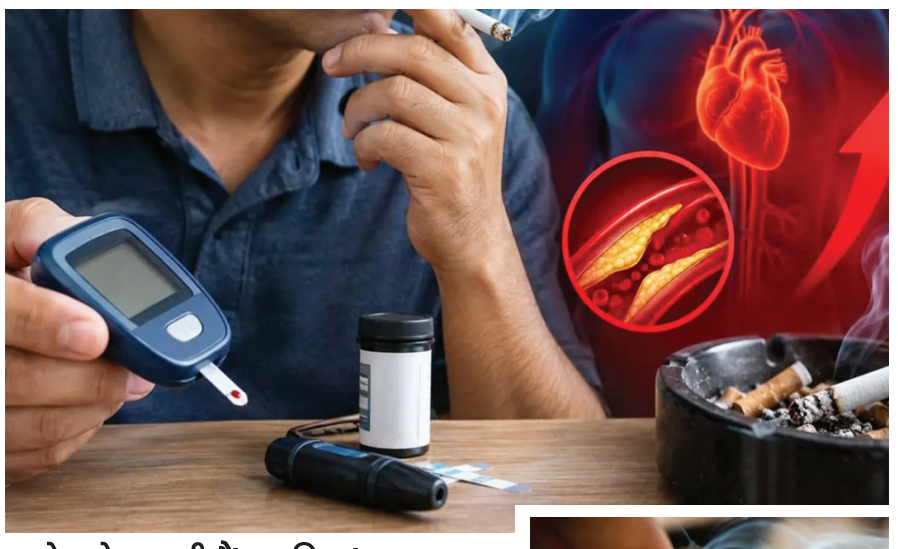

कठोर हो सकती हैं धमनियां

रिसर्च में पाया गया है कि धूम्रपान करने से धमनियां काफी सख्त हो जाती हैं। इसकी वजह से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो जाता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों की समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

फेफड़ों पर पड़ता है बुरा प्रभाव

स्मोकिंग का बुरा प्रभाव हमारे फेफड़ों पर भी पड़ता है। डायबिटीज में स्मोकिंग करने से क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिसऑर्डर होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।



सुबह उठने के बाद दिखें ये संकेत तो न करें नजरअंदाज, हो सकती है डायबिटीज

डायबिटीज एक आम समस्या है, जिससे आजकल करोड़ों लोग परेशान हैं। डायबिटीज में व्यक्ति का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। जिन लोगों को डायबिटीज होता है, उन्हें इसके लक्षण किसी भी समय महसूस हो सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों को सुबह उठने के बाद डायबिटीज के लक्षणों का अनुभव हो सकता है। अगर आपको भी सुबह उठने के बाद कुछ लक्षण नजर आते हैं, तो इन्हें बिल्कुल नजरअंदाज न करें। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर सुबह उठने के बाद कौन से लक्षण डायबिटीज के हो सकते हैं? या फिर सुबह उठने के बाद के कौन से संकेत डायबिटीज के होते हैं?



मुंह या गला सूखना : अगर सुबह उठने के बाद आपको तुरंत प्यास लगी रहती है, तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है। अगर रोजाना प्यास रहती है और पानी पीने की इच्छा रहती है, तो आपको अपने शुगर लेवल की जांच जरूर कर लेनी चाहिए। मुंह या गला सूखना डायबिटीज का शुरुआती संकेत हो सकता है।

थकान : सुबह उठने के बाद हमें फ्रेश, तरोताजा महसूस करना चाहिए। लेकिन अगर सुबह उठने के बाद आप हमेशा थकान महसूस करते हैं, तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है। थकान, उनींदापन और कमजोर महसूस करना डायबिटीज के लक्षणों सकते हैं, इसलिए इन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें।

धुंधली दृष्टि : सुबह उठते ही अगर आप साफ नहीं देख पाते हैं, या आपको धुंधली दृष्टि दिखाई देती है, तो यह भी डायबिटीज का एक संकेत हो सकता है। इसे सामान्य समझकर बिल्कुल भी इग्नोर न करें, अन्यथा आगे चलकर आपका शुगर लेवल ज्यादा हो सकता है। दरअसल, जब शुगर लेवल बढ़ता है, तो आंखों की छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। इससे दृष्टि धुंधली पड़ सकती है। ऐसा एक या दोनों आंखों में हो सकता है।

खुजली : शरीर पर खुजली होना भी डायबिटीज का संकेत हो सकता है। अगर सुबह उठने के बाद आपको खुजली महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। डायबिटीज में सुबह उठने के बाद आपको त्वचा, मुंह, जननांगों पर खुजली हो सकती है।

झुनझुनी या सुन्नता : सुबह उठने के बाद शरीर में झुनझुनी या सुन्नता का अनुभव हो, तो इसे भी डायबिटीज का एक संकेत माना जा सकता है। दरअसल, डायबिटीज में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है, इससे नसों को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में डायबिटीज वाले लोगों को सुबह के समय हाथों या पैरों में झुनझुनी महसूस हो सकती है। इसे डायबिटीज न्यूरोपैथी के रूप में जाना जाता है।

भुने चने के साथ शहद खाने से सेहत को मिलेंगे कई जबरदस्त फायदे

आज के समय में व्यस्त जीवनशैल पर व्यक्ति खुद की सेहत पर ध्यान नहीं दे पाता है। खासकर दूर दराज के इलाकों से शहर में आने वाले लोगों का खाने पीने का कोई निश्चित समय नहीं होता है। जिसका दुष्प्रभाव उनकी सेहत पर पड़ता है। समय पर खाना न खाने की वजह से लोगों को थकान व कमजोरी के साथ ही कई अन्य तरह की परेशानियां होने लगती है। यदि आप भी इस तरह की परेशानी से ग्रस्त हैं तो भुने चने और शहद को डाइट में शामिल करें। इससे आपको पर्याप्त पोषण मिलता है।

भुने चने में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, फाइबर और अन्य विटामिन मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के दैनिक पोषण को पूरा करने का काम करते हैं। इसलिए आपको नियमित रूप से भुने चने और शहद का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर में ताकत आती है और आलस दूर होता है।

वजन कम करने में सहायक : भुना चना और शहद वजन को कम करने के लिए डाइट में शामिल करें। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, इसलिए जब आप भुने चने और शहद खाते हैं तो इससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती है और आप बेवजह बाहर का खाने से बच जाते हैं।

ब्लड शुगर के लिए फायदेमंद : ब्लड शुगर के लोगों के लिए भुना चना और शहद खाना फायदेमंद होता है। लेकिन इसमें शहद की मात्रा बेहद कम रखें। इसमें आप शहद की जगह पर गुड़ का भी सेवन कर सकते हैं।



हड्डियों को बनाता है मजबूत : भुना चना और शहद हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। भुने चने और शहद में मैग्नीशियम और फोस्फोरस पाया जाता है, जो शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करते हैं।

हृदय रोग के लिए फायदेमंद : भुने चने और शहद हृदय स्वास्थ्य को बेहतर करते हैं। इनके नियमति सेवन से शरीर में फोलेट, मैग्नीशियम, तांबे और फास्फोरस की पूर्ति होती है। जिससे रक्त संचार बेहतर होता है। फोस्फोरस हृदय सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

पाचन क्रिया होती है बेहतर : भुने चने और शहद के खाने से पाचन क्रिया में सुधार होता है। भुने चने और शहद में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर करता है। इससे व्यक्ति को कब्ज, गैस व पेट फूलने की समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही वह पहले की अपेक्षा एक्टिव महसूस करता है।

इम्युनिटी पावर को मजबूत बनाता है : भुने चने और शहद में कई पोषक तत्व होते हैं, जिनके नियमित सेवन से व्यक्ति की इम्युनिटी पावर मजबूत बनती है। इसकी वजह से व्यक्ति बार बार बीमार नहीं पड़ता है।

मंनोरजन समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

छठ पूजा पर पंकज त्रिपाठी को याद आया बचपन, कहा- मां व्रत रखती थीं, दुनिया में कहीं भी रहूं घाट पर जरूर जाता हूं

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी के लिए छठ पूजा महज एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, संस्कृति और जड़ों से जुड़ने का अहसास है। बिहार से निकलकर दुनिया भर में पहचान बनाने के बावजूद छठ के प्रति उनका अपनापन आज भी बरकरार है। इस महापर्व की सादगी, प्रकृति से जुड़ाव और सामूहिकता उन्हें खास तौर पर आकर्षित करती है। यही वजह है कि देश हो या विदेश, जहां भी छठ का घाट मिलता है, उनके कदम अनायास ही अपनी मिट्टी की ओर खिंचे चले जाते हैं। वह भावुक होकर कहते हैं, 'मेरे लिए छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक खूबसूरत माध्यम है। मुझे लगता है कि छठ एक ऐसा अनोखा त्योहार है, जिसमें पूजा के लिए किसी पंडित की आवश्यकता नहीं होती। महिलाएं स्वयं व्रत करती हैं और पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं। इसकी अपनी अलग परंपराएं और रीति-रिवाज हैं।' छठ पूजा के प्रसाद की महत्ता को बयान करते हुए 50 साल के पंकज त्रिपाठी कहते हैं, 'इस त्योहार की सबसे खूबसूरत बात मुझे इसका प्रसाद लगता है।



दिवाली की तरह यहां बाजार से लड्डू या मिठाइयां खरीदकर नहीं लाई जातीं। जो भी प्रसाद होता है, वह घर में ही बनाया जाता है। खेतों में पैदा हुआ गन्ना, मूली, कच्चा केला और दूसरी चीजें पूजा का हिस्सा बनती हैं, जो मुझे अनोखी तो लगती हैं, साथ ही यह अहसास भी दिलाती हैं कि मैं कहां से बिलॉग करता हूं।'

छठ पूजा पर बाजार हावी नहीं हो पाया है : बिहार के गोपालगंज में पैदा हुए पंकज त्रिपाठी छठ पूजा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़कर भी देखते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि यह शायद इकलौता ऐसा त्योहार है, जहां अब तक बाजार पूरी तरह हावी नहीं हो पाया है। मैं छठ को रूरल इकोनॉमी से भी जोड़कर देखता हूं। इस त्योहार में किसान अपनी उपज एक-दूसरे के साथ बांटते हैं। किसी के खेत में केला है, तो किसी के खेत में मूली। पूरा गांव एक-दूसरे को अपनी उपज बांटता है। मुझे लगता है कि यह त्योहार किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक खूबसूरत तरीके से जोड़ता है। हां, मैं अभी बिहार नहीं जा पा रहा हूं, इसलिए वहां छठ के स्वरूप में आए बदलाव को करीब से नहीं देख पाया हूं, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि छठ घाट ने अभी तक अपनी मूल पहचान नहीं खोई है।'

बचपन में दोस्तों संग छठ के घाट सजाता था : छठ पूजा से जुड़ी अपने बालपन की यादों को साझा करते हुए कहते हैं, 'मैं अपने दोस्तों की मंडली के साथ मिलकर घाट पर जाता था और हम रंग-बिरंगी लाइटों, केले के पत्ते से घाट को सजाते थे। मुंबई में ये सब देखने नहीं मिलता। हालांकि मुंबई में भी छठ पूजा बहुत बड़े पैमाने पर मनाई जाती है। मैं जब छोटा था, तब घरवाले मुझे साफ-सफाई का काम देते थे। पूजा का सामान लाने की जिम्मेदारी भी मेरी होती थी। मुझे याद है, दर्जी के पास नए कपड़े सिलवाने के लिए मैं खूब दौड़ लगाया करता था। गांव खूब चहल-पहल रहती थी। हर तरफ उत्सव का माहौल रहता था।'

देश-विदेश कहीं भी रहूं, घाट पर जरूर जाता हूं

छठ पूजा के प्रति अपनी आस्था को लेकर वह आगे कहते हैं, 'छठ के प्रति मेरा लगाव ऐसा है कि शूटिंग के सिलसिले में मैं देश या विदेश में कहीं भी रहूं, आसपास छठ घाट या जलाशय जरूर तलाशता हूं। पांच किलोमीटर के दायरे में कहीं छठ हो रहा हो तो मैं चुपचाप अपनी गाड़ी से वहां जाता हूं। दूर खड़े होकर पांच मिनट तक घाट और पूजा को देखता हूं और फिर वापस आ जाता हूं। पूर्वांचल के लोग दुनिया के कोने-कोने में फैले हुए हैं। अमेरिका हो, यूके हो या कोई दूसरा देश, जहां भी हमारे लोग रहते हैं, वहां छठ मनाया जाता है। अभी कैलिफोर्निया और डलास के लोगों ने भी मुझसे छठ की शुभकामनाओं के वीडियो मांगे थे। मैं तीन अलग-अलग ग्रुप में विडियो भेज चुका हूं। मुझे अच्छा लगता है कि विदेश में रहने के बावजूद लोग अपनी परंपरा और संस्कृति को इतनी आत्मीयता से निभा रहे हैं।'

मां व्रत रखती थीं, नदी किनारे अर्घ्य देतीं

पंकज त्रिपाठी की मां हेमवंती देवी हमेशा से छठी मैया का व्रत रखती थीं। बीते साल 2025 में मां का निधन हो गया। ऐसे में छठ के मौके पर दिग्गज एक्टर को मां की याद भी सता रही है। वह कहते हैं, 'मां छठ का व्रत रखती थीं और पूरा गांव गंडकी नदी के किनारे अर्घ्य देने के लिए इकट्ठा हुआ करता था। बचपन की वो आस्था और पूजा अर्चना ही है, जो मेरे संस्कारों में गहरी पैठी हुई है। यही वजह है कि मेरे लिए छठ सिर्फ सूर्य की उपासना नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपने किसान, अपने गांव और अपने लोगों से जुड़े रहने का एक अहसास है। शायद यही वजह है कि दुनिया में कहीं भी छठ पूजा को अपने अंदर समाहित पाता हूं।'

सलमान ने कनिका मान को दी चेतावनी : बिग बॉस में बोले- मेरे सामने आवाज ऊंची मत करो, लव और स्काउट को भी लगाई फटकार

टीवी शो बिग बॉस 20 के एपिसोड में सलमान खान ने कनिका मान, लव गिल और स्काउट ओपी को फटकार लगाई। सलमान ने कनिका मान को उनके सामने ऊंची आवाज में बात न करने को कहा। सलमान ने स्काउट को यंग डीएसए के साथ हाथापाई और घर में गाली-गलौज को लेकर डांटा। उन्होंने उसे शो का सबसे खराब दोस्त भी कहा। इस हफ्ते स्काउट की यंग से लड़ाई हुई। लव से उसकी दोस्ती में भी तनाव आया। गुस्से में स्काउट ने पेड़ से कूदने की कोशिश की और नाकाम रहने पर सिर मुंडवा लिया।

इस हफ्ते एक टास्क के दौरान बहस में स्काउट ओपी ने अपने पुराने दोस्त यंग डीएसए को धक्का दिया था। इसके बाद यंग ने स्काउट के एविक्शन या कड़ी सजा की मांग की। सलमान ने टास्क के दौरान संयम दिखाने के लिए यंग की तारीफ की। इसके बाद उन्होंने स्काउट से पूछा, 'क्या तुम बाहर भी ऐसा ही व्यवहार करते हो?' सलमान ने कहा, 'बिग बॉस में हाथापाई से बचते हैं। माफी मांगने के बाद भी तुम्हें शर्म नहीं आई। तुम्हारे अंदर इतना एटीट्यूड किस बात का है?' उन्होंने आगे कहा, 'क्या तुम चाहते थे कि यंग भी तुम्हें मारता? तुम घर में बहुत गालियां देते हो। कैमरे पर होने की भी परवाह नहीं करते।' सलमान ने कहा, 'तुम दूसरे कंटेस्टेंट्स को धमकाते रहते हो। तुमने कहा था कि लोग तुमसे प्रेरणा लेते हैं। अगर ऐसा है, तो उन लोगों के लिए शुभकामनाएं।'

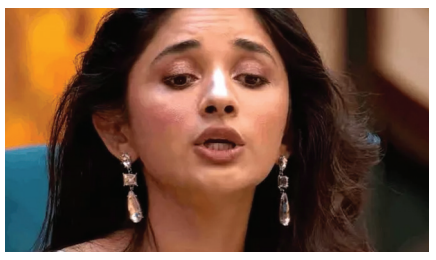

उन्होंने आगे कहा, 'जो लोग सच में प्रेरणा देते हैं, उन्हें इसे दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती।' स्काउट ने अपना बचाव करने की कोशिश की। इस पर सलमान ने कहा, 'स्काउट, आज चुप रहना तुम्हारे लिए बेहतर है। मुझे इसी लहजे में बात करने दो।' सलमान ने कहा, 'मैं तुम्हारी तरफ से ही बात कर रहा हूं। तुम जितना बोलोगे, उतनी ही मुसीबत में पड़ोगे। आज सिर्फ सुनो।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं तुम्हें सिखाने नहीं आया हूं। वे दिन अब चले गए हैं। मैं इसी लहजे में तुम्हें समझाता रहूंगा।' सलमान ने स्काउट को शो का सबसे खराब दोस्त बताया। उन्होंने कहा, 'तुम्हारा पूरा गेम सिर्फ लव गिल के इर्द-गिर्द घूमता है।' सलमान ने पूछा, 'जब माही ने लव को होमब्रेकर कहा था, तब तुमने उसके लिए स्टैंड क्यों नहीं लिया?' उन्होंने कहा, 'हम वही दिखाते हैं, जो आप लोग करते हैं।

सोनाक्षी सिन्हा मॉर्फ्ड फोटो केस में आरोपी रिहा : एक्ट्रेस की आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का आरोप था, कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की आपत्तिजनक एडिटेड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में गिरफ्तार दिल्ली के युवक को मुंबई की एक अदालत ने रिहा करने का आदेश दिया है। सोनाक्षी की शिकायत के बाद मुंबई की बांद्रा पुलिस ने केस दर्ज कर दिल्ली के शाहदरा इलाके से आरोपी आर्यन दीपक जैन को गिरफ्तार किया था। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान कानूनी प्रक्रिया का पालन न करने पर कोर्ट ने पुलिस की तीन दिन की कस्टडी की मांग को खारिज कर दिया।

दिल्ली से सीधे फ्लाइट के जरिए मुंबई लाई थी पुलिस : इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, बांद्रा पुलिस ने आरोपी आर्यन दीपक जैन को कल सुबह करीब 10:11 बजे दिल्ली के शाहदरा स्थित जगतपुरी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस उसे फ्लाइट से सीधे मुंबई ले आई। बांद्रा पुलिस ने आरोपी को मुंबई के मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर तीन दिन की पुलिस कस्टडी की मांग की। पुलिस का तर्क था कि वह उस इलेक्ट्रॉनिक



डिवाइस को बरामद करना चाहती है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने और फैलाने में किया गया था।

लोकल मजिस्ट्रेट के सामने पेश न करने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी : सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट ने बांद्रा पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद वहां के नजदीकी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए बिना सीधे मुंबई क्यों लाया गया। अदालत ने कहा कि पुलिस ने तय कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया है और इस चूक के पीछे कोई संतोषजनक कारण भी नहीं दे पाई है। इसी आधार पर कोर्ट ने कस्टडी देने से इनकार करते हुए आरोपी की रिहाई के आदेश दिए।

वकीलों ने गिरफ्तारी की वैधता पर उठाए सवाल : आरोपी आर्यन दीपक जैन के वकीलों ने भी कोर्ट में गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती दी। वकीलों ने दलील दी कि पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले न तो आरोपी को जरूरी नोटिस दिया और न ही उसे हिरासत में लेने के कारणों की जानकारी दी। बचाव पक्ष ने पुलिस की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर्यन ने कोई अपराध नहीं किया है और उस पर लगाई गई कानूनी धाराएं लागू नहीं होती हैं।

एडिटेड तस्वीरें दिखने पर सोनाक्षी ने की थी शिकायत : यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी आपत्तिजनक तरीके से एडिट की गई तस्वीरें देखीं।

इसके बाद उन्होंने मुंबई पुलिस से संपर्क कर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर बांद्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और दिल्ली से आरोपी को पकड़ा था।

मुक्तिबोध नाट्य समारोह में 'पर पाजेब ना भीगे' का मोहक मंचन

'पहनती तो वह पैरों में है, पर धड़कता मेरा दिल है, उसकी पायल की हर छनक में मेरी साँसों की महफिल है' ये पंक्तियां याद आ रही थी, 14 नवंबर की शाम मुक्तिबोध राष्ट्रीय नाट्य समारोह में जबलपुर विवेचना रंग मंडल की प्रस्तुति 'पर पाजेब ना भीगे' को देखते हुए। सत्यनारायण पटेल लिखित नाटक बंजारन और बंजारे की प्रेम कहानी है। जिसमें बंजारन की शर्त होती है मैं तुमसे विवाह तभी करूंगी जब हमारे गांव के बीच में तुम ऐसा बांध बनवागे जिसमें गुजरते हुए मेरे पाजेब की झंकार सुनाई दे, लेकिन उसकी घुंघरियां न भींगे । प्रेमरस में सने मसालों से बांध बनता है। यह बात भी सामने आती है कि आधुनिक विकास के नाम पर आज जो बांध बन रहे हैं उसमें जंगल- गांव डूब रहे हैं। नाट्य निर्देशक प्रगति विवेक पांडेय का सशक्त निर्देशन,आकर्षक वेशभूषा, शानदार मंच सज्जा और किरदारों की अभिनय क्षमता से नाटक अविस्मरणीय बन गया। नाटक की सूत्रधार- किस्सागो बनी अलंकृति श्रीवास्तव आरंभ से अंत तक प्रभाव छोड़ती हैं। बंजारा-बंजारन की भूमिका में मयंक







रावत -अंशिका सलवार के जीवंत अभिनय से नाटक में जान आ गई। नाटक के सारे पत्रों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। नाटक के पूर्व रंग छत्तीसगढ़ के पूनम-बेला तिवारी ने चरण दास चोर, बहादुर कलारीन आदि लोकनाट्यों के गीतों की प्रस्तुति दी और तालियां बटोर गए।पीयूष मिश्रा जी ने अपनी गायकी अंदाज से वाह वाही लूटी। नाट्य समारोह के संयोजक दैनिक जनधारा के संपादक सुभाष मिश्रा सहित रचना मिश्रा जी की ऊर्जा रायपुर के रंगकर्म को ऊर्जित कर गई। हार्दिक बधाई। मोबाइल टीवी से निकलकर 2 घंटे के लिए भी यदि दर्शक रंग मंदिर में आते हैं।नाटक देखते हैं तो उन्हें लगेगा कि अपने समय का सर्वश्रेष्ठ सदुपयोग उन्होंने किया है। 17 नवंबर तक नाट्य समारोह है,प्रतिदिन शाम 7.30 बजे आरंभ होता है।

मंदिर में हुई 'हनुमान अंश' की सक्सेस पार्टी...कार्तिक आर्यन पहुंचे रिलीज के 100 दिन पूरे होने पर हुई भजन-आरती

कार्तिक आर्यन मुंबई के जुहू स्थित ISKCON मंदिर में फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के जश्न में शामिल हुए। मेकर्स ने फिल्म के सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे होने पर यह कार्यक्रम रखा था। करीब 1.5 से 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने .भारत में 342.86 करोड़ नेट और दुनियाभर में 453.33 करोड़ ग्रॉस कमाए हैं। शुरुआती दो हफ्तों में धीमी कमाई के बाद तीसरे हफ्ते से फिल्म की कमाई तेजी से बढ़ी थी। फिल्म की सक्सेस पार्टी किसी आम बॉलीवुड पार्टी जैसी नहीं थी। धार्मिक जगह पर हुए इस कार्यक्रम में भजन और आरती हुई।

मेकर्स ने फिल्म की सफलता का जश्न किसी पांच सितारा होटल या महंगे रेस्तरां में मनाने के बजाय जुहू के ISKCON मंदिर में रखा। आज की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यक्रम में शराब या नॉन-वेज खाना नहीं परोसा गया। मेहमानों के लिए शाकाहारी और सात्विक भोजन रखा गया था। कार्यक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें कार्तिक आर्यन मंदिर परिसर में पहुंचते और फिल्म की टीम के सदस्यों से मिलते नजर आ रहे हैं। 'हनुमान अंश' की शुरुआत बॉक्स



ऑफिस पर काफी धीमी रही थी। फिल्म ने पहले हफ्ते भारत में सिर्फ 1.08 करोड़ नेट कमाए थे। दूसरे हफ्ते इसकी कमाई घटकर करीब 40 लाख रह गई थी। इसके बाद तीसरे हफ्ते से फिल्म की टिकट बिक्री में अचानक तेजी आई। देखते ही देखते इसकी घरेलू नेट कमाई 340 करोड़ के पार पहुंच गई। इस तरह फिल्म इस साल की बड़ी बॉक्स ऑफिस सफल फिल्मों में शामिल हो गई। सिनेमाघरों में सफलता के बाद 'हनुमान अंश' अब OTT पर रिलीज होने वाली है। फिल्म 27 नवंबर 2026 से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म के OTT और टीवी राइट्स सोनी को करीब 60 करोड़ में बेचे हैं।

फिल्म 'रामायण' ने 10 दिन में 1,228 करोड़ कमाए

भारत में 819 करोड़ का कलेक्शन; धुरंधर-2 के बाद साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी

फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' ने रिलीज के 10 दिनों में दुनियाभर में 1,228 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इसमें अकेले भारत से 819.50 करोड़ की कमाई हुई है। इसके साथ ही यह धुरंधर-2 (1,839 करोड़) के बाद इस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। वहीं, सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में 'रामायण' 7वें नंबर पर पहुंच गई है। इसने शाहरुख खान की 'जवान' (1,160 करोड़) और यश की 'चत्तस्र 2' (1,215 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है। 10वें दिन फिल्म की कमाई में 51.6% का उछाल आया। दूसरे शुक्रवार को इसने 48.10 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था, जो शनिवार को बढ़कर 72.90 करोड़ हो गया। यानी एक दिन में फिल्म की कमाई 24.80 करोड़ बढ़ गई।

2026 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म : रामायण फर्स्ट वीकेंड में ही इस साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है। फिल्म ने इसने दृश्यम 3, जेलर 2, हनुमान अंश



के ऑल टाइम कलेक्शन को भी पछाड़ दिया है।

रणबीर कपूर के करियर की पहली 1,000 करोड़ी फिल्म : रामायण रणबीर कपूर के करियर की पहली फिल्म है, जिसने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले रणबीर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में एनिमल शामिल थी। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर 917 करोड़ रुपए कमाए थे।

हिट होने के लिए कितना कलेक्शन करना जरूरी : 'फिल्म हिट या फ्लॉप है, यह उसके डिस्ट्रीब्यूटर शेयर से तय होता है। मेकर्स ने हाईकोर्ट में बताया है कि फिल्म का ऑफिशियल बजट 2 हजार करोड़ है।

इसके अनुसार, फिल्म को हिट होने के लिए हिंदी में कम से कम 1,100 करोड़ कमाने होंगे और वर्ल्डवाइड 2,800 करोड़ का कलेक्शन करना होगा। जब तक फिल्म इतनी कमाई नहीं करती, तब तक इसे हिट नहीं कहा जा सकता।'

सबको लगा था धुरंधर फ्लॉप होगी : इम्तियाज अली बोले- फिल्म ने इंडस्ट्री के सारे नियम तोड़े, अब हर फिल्ममेकर ऐसी ही फिल्में बनाना चाहता है

फिल्ममेकर इम्तियाज अली ने रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' फ्रेंचाइज की तारीफ की है। बातचीत के दौरान इम्तियाज ने कहा कि शुरुआत में सबको लगा था यह फिल्म फ्लॉप होगी, लेकिन फिल्म ने इंडस्ट्री की पुरानी सोच को बदल दिया। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस स्पाई थ्रिलर फ्रेंचाइज के दोनों भागों ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की है। इम्तियाज ने इस कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के मौजूदा दौर और दर्शकों की बदलती पसंद पर भी अपनी राय रखी।

तीन घंटे लंबी फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर चल रही हैं : इम्तियाज अली ने बॉलीवुड के बदलते माहौल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि फिल्ममेकर्स के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा। इम्तियाज ने कहा, 'इंडस्ट्री अभी एक दिलचस्प दौर से गुजर रही है। लोग कहते हैं कि बड़े स्टार लें या बिना स्टार के फिल्म बनाएं, कुछ काम नहीं कर रहा। यह भी कहा जाता है कि



दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है और लंबी फिल्में नहीं चलतीं। लेकिन 'धुरंधर' तीन घंटे लंबी फिल्म है और इसने शानदार प्रदर्शन किया।'

स्टूडियोज को 'धुरंधर' के सफल होने पर था शक : इम्तियाज अली ने बताया कि जब 'धुरंधर' का आइडिया तैयार हुआ था और मेकर्स इसे लेकर अलग-अलग स्टूडियोज के पास जा रहे थे, तब इसे लेकर शक था। उन्होंने कहा, 'जब यह आइडिया लेकर स्टूडियोज के चक्कर लगाए जा रहे थे, तब लोगों को लगा कि यह सबसे अव्यावहारिक फिल्म है, जिसके चलने की संभावना सबसे कम है। लेकिन इसने सारे नियम तोड़ दिए और अब हर कोई ऐसी ही फिल्म बनाना चाहता है। भाषा भले ही बदल जाए, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री अभी आत्म-मंथन के दौर से गुजर रही है।'

दोनों फिल्मों ने की 3,100 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई : बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025 में रिलीज हुई 'धुरंधर' के पहले भाग को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म ने भारत में 840.20 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 1,307.35 करोड़ रुपए की ग्रॉस कमाई की थी। इसके बाद आए सीक्वल 'धुरंधर 2' को मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद बड़ी सफलता मिली। दूसरे भाग ने देश में 1,149.30 करोड़ रुपए नेट और दुनिया भर में 1,813.39 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया।

पाकिस्तान में भारतीय एजेंट की कहानी है 'धुरंधर'

आदित्य धर के लेखन और निर्देशन में बनी 'धुरंधर' एक जासूसी और एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रणवीर सिंह ने एक भारतीय खुफिया एजेंट की भूमिका निभाई है, जो पाकिस्तान में सक्रिय गिरोहों और आतंकी नेटवर्क के बीच घुसपैठ करता है। फिल्म में अपराध और जासूसी की दुनिया को दिखाया गया है। रणवीर सिंह के साथ इस फ्रेंचाइज में आर. माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन ने भी मुख्य किरदार निभाए हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

जनजातीय लोककला और संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर, इसे सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी-कृषि मंत्री रामविचार नेताम

रायगढ़ (प्रतिदिन राजधानी)



संत पूज्य प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में में आज राज्य स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव–2026 का भव्य आयोजन किया गया। कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पहुंचे जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य और लोक कलाओं की आकर्षक प्रस्तुतियों से प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की विविधता, विशिष्टता और समृद्ध परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीरांगना रानी दुर्गावती सहित अन्य महापुरुषों के छायाचित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत का सामूहिक गायन किया गया। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव में जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोककला और परंपराओं से है। जनजातीय समाज ने देश की आजादी की लड़ाई और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह और वीरांगना रानी दुर्गावती जैसे महापुरुषों का त्याग, संघर्ष और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। इसका उद्देश्य जनजातीय नायकों के योगदान को सम्मान देना और नई पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है।

कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि जनजातीय क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि बुनियादी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

घरघोड़ा आईटीआई में 20 नवंबर को जिला स्तरीय रोजगार मेला, 241 पदों पर होगी भर्ती

रायगढ़,, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और स्थानीय आवेदकों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 20 नवंबर को शासकीय आईटीआई घरघोड़ा में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा। इसमें विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा कुल 241 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में मेसर्स स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड रायपुर, जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड रायपुर और टीपीएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। स्वतंत्र माइक्रोफिन में फील्ड ऑफिसर के 30 पदों पर 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। जीनस पावर इंफास्ट्रक्चर में टेक्नीशियन के 15 पदों के लिए 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई/डिप्लोमा तथा सुपरवाइजर के 1 पद के लिए डिप्लोमा या बीटेक योग्यता निर्धारित की गई है। इसी प्रकार टीपीएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टेक्नीशियन, फिटर, गैस कटर, ग्राइंडर ऑपरेटर, लेथ मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, टर्नर, क्रेन ऑपरेटर, मशीन ऑपरेटर और हेल्पर के कुल 195 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता आईटीआई, डिप्लोमा एवं 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित है। संबंधित पदों के लिए दो वर्ष का कार्यानुभव आवश्यक होगा। चयनित अभ्यर्थियों को 14 हजार से 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा। इन पदों का कार्यक्षेत्र जेएसपीएल रायगढ़ रहेगा। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए आवेदकों का ई–रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिन आवेदकों का पंजीयन नहीं हुआ है, उनके लिए रोजगार मेला स्थल पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी अपने समस्त मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, अनुभव प्रमाण पत्र निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। रिक्त पदों, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी ई–रोजगार पोर्टल अथवा संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जनजातीय गौरव दिवस पर 17 नवंबर को दानीकुंडी में होगा जिलास्तरीय समारोह

मुंगेली,.(प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन के निर्णयानुसार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस अवसर पर 16 से 18 नवंबर तक जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा 17 नवंबर को मरवाही विकासखंड के ग्राम दानीकुंडी में जिलास्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा।

समारोह में मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन जनजातीय समाज के महान स्वतंत्रता सेनानियों, वीर नायकों एवं महापुरुषों के योगदान को स्मरण करने तथा जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने जिला स्तरीय समारोह के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन संबंधी आवश्यक दायित्व सौंपते हुए आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जनजातीय गौरव दिवस समारोह को गरिमामय स्वरूप देने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।कलेक्टर विजय दयाराम के. ने जिला स्तरीय समारोह के सफल, सुव्यवस्थित एवं रावटे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन संबंधी आवश्यक दायित्व सौंपते हुए आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

धान खरीद से पहले अवैध भंडारण पर प्रशासन की सख्ती, 240 बोरी धान जब्त

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, (प्रतिदिन राजधानी)



छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीद प्रारंभ होने जा रही है। धान खरीद व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा बिचौलियों द्वारा अवैध रूप से धान के भंडारण एवं परिवहन के माध्यम से अनियमित बिक्री की आशंका पर अंकुश लगाने के लिए राज्य में निगरानी और जांच की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही जिले में जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम बरवासन में दो अलग–अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 240 बोरी अवैध रूप से भंडारित धान जब्त किया है। कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में तहसील पेण्ड्रारोड अंतर्गत ग्राम बरवासन में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जांच एवं कार्रवाई की गई। जांच के दौरान ग्राम निवासी राजेंद्र गुज्जर की बाड़ी में ट्रैक्टर में रखी 35 बोरी तथा खुले में रखी 100 बोरी सहित कुल 135 बोरी धान पाया गया। इसी प्रकार जीवन सिंह मारको के यहां 105 बोरी धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया। इस तरह दोनों स्थानों से कुल 240 बोरी धान जब्त कर ग्राम कोटवार की अभिरक्षा में सौंपा गया। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि उनके खेतों में अभी तक धान की कटाई एवं मिसाई नहीं हुई है। पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि उक्त धान अन्य किसान के खेत से लाकर भंडारित किया गया था। इसके बाद संयुक्त जांच दल द्वारा नियमानुसार धान जब्ती की कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीद प्रारंभ की जा रही है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर अवैध धान के भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें लगातार जांच कर रही हैं।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीद व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध भंडारण, परिवहन एवं अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जांच और निगरानी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

लखनपुर के सीएमओ से गाली-गलौज और हाथापाई, पान ठेले में घुसकर बचाई जान

लखनपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पंचायत लखनपुर में पिछले दो वर्षों से चल रही शिकायतों और आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति अब सड़क पर मारपीट तक पहुंच गई है।

नगर पंचायत में निर्माण कार्यों और अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को लेकर नगर पंचायत उपाध्यक्ष एवं उनके पति द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों और सीएमओ की ओर से दिए जा रहे जवाबों के बीच विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। शुक्रवार को नगर के प्रतीक्षा बस स्टैंड में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी के साथ गाली–गलौज और मारपीट की घटना सामने आई है। इस मामले में नगर पंचायत उपाध्यक्ष के पति सनी बंसल पर मारपीट करने का आरोप लगाया गया है।

आगामी छठ पर्व को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी नगर में साफ–सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने निकले थे। इसी दौरान प्रतीक्षा बस स्टैंड में नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा बंसल के पति सनी बंसल और सीएमओ के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गाली–गलौज के साथ मारपीट की नौबत आ गई। आरोप है कि सनी बंसल ने सीएमओ के साथ मारपीट की, जिसके बाद सीएमओ ने पास स्थित पान ठेले में घुसकर किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना के बाद दोनों पक्ष लखनपुर थाने पहुंचे और एक–दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने आवेदन सौंपा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि, घटना को लेकर दोनों पक्षों के आरोपों और वास्तविक स्थिति की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

कर्मचारियों में हड़ताल की बनी स्थिति सीएमओ के साथ कथित गाली–गलौज और मारपीट की घटना के बाद नगर पंचायत के कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। कर्मचारियों द्वारा हड़ताल और प्रदर्शन की तैयारी की जा रही थी। इससे नगर पंचायत का कामकाज प्रभावित होने की आशंका बन गई थी। बताया जा रहा है कि पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के समझाइश देने के बाद किसी तरह कर्मचारियों का आक्रोश शांत हुआ और मामला तत्कालिक रूप से शांत हो सका।

बाल दिवस पर 11 स्थानों पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



बाल दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा शनिवार को जिले के 11 स्थानों पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान नालसा की डॉन (ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन) योजना 2025 के तहत नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले 14 दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरवरगंज, हाई स्कूल पसला, माध्यमिक शाला धुरिया, अगस्तपुर, नवापारा कला, परसापारा, बेगारीडांड, कंदराई एवं केरता, आईसेड कंप्यूटर सेंटर भैयाथान तथा थाना परिसर रामानुजनगर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। गिरवरगंज विद्यालय में प्राचार्य केपी कुजूर ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के अधिकारों के महत्व की वालंटियर सत्यनारायण ने नालसा डॉन योजना के उद्देश्य एवं प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। इससे बचाव के लिए जागरूकता, सही मार्गदर्शन और समय पर परामर्श एवं उपचार जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 से अवगत कराया गया।

कैट ने की सीएसपी से मुलाकात, नशाखोरी और हुड़दंग पर सख्त कार्रवाई की मांग

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)



कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी के नेतृत्व में अम्बिकापुर के नवपदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक वसाड़े से सौजन्य मुलाकात कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान शहर की कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने शहर में मॉडिफाइड साइलेंसर लगी मोटरसाइकिलों से तेज आवाज कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने और तेज रफ्तार में वाहन चलाकर सड़कों पर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसके साथ ही मल्टीपरपज स्कूल, कॉलेज ग्राउंड, पॉलिटेक्निक मैदान एवं बीटीआई मैदान में रात के समय खुलेआम शराबखोरी की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग उठाई। कैट पदाधिकारियों ने शहर में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता जताते हुए नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने, असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने तथा रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह की गतिविधियों से आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और परिवारों को असुविधा होती है। नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक वसाड़े ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन आवश्यक कदम उठाएगा। नागरिकों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।इस अवसर पर कैट प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी, संरक्षक सुनील अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रंजय स्वर्णकार, उपाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, मंत्री अमित अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजू छाबड़ा, पूर्व अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल एवं महामंत्री अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।

छठी मइया की भक्ति में सराबोर हुआ सरगुजा, घाट बंधान के लिए उमड़ी व्रती महिलाओं की भीड़

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)



लोक आस्था का महापर्व छठ अब पूरे उल्लास और भक्तिभाव के साथ अपने चरम की ओर बढ़ रहा है। सूर्य उपासना और छठी मइया की आराधना के इस कठिन पर्व को लेकर शहर से लेकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तक जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

शनिवार को छठ महापर्व के दूसरे दिन व्रती महिलाओं ने विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और घाट बंधान की परंपरा निभाई। सुबह से ही शहर के प्रमुख तालाबों और नदी घाटों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ती रही। सिर पर पूजन सामग्री और हाथों में आस्था का दीप लिए महिलाएं छठी मइया के जयकारे लगाते हुए घाटों तक पहुंचीं। पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। मां महामाया छठ सेवा समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ पार्षद विजय सोनी ने बताया कि शुक्रवार को नहाय–खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत हुई थी। दूसरे दिन शनिवार को खरना की परंपरा निभाई गई। इसके तहत व्रती महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर शाम को विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और भगवान सूर्य तथा छठी मइया को खीर का भोग अर्पित किया। इसके बाद प्रसाद स्वरूप खीर और भोजन ग्रहण कर निर्जला व्रत का संकल्प लिया। खरना के साथ ही व्रतियों का कठिन 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया। शहर के शंकर घाट स्थित छठ घाट, पैलेस घाट, खर्रा नदी, जेल तालाब, मरीन ड्राइव सहित अन्य जलाशयों में सुबह से ही घाट बंधान के लिए महिलाओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। महिलाओं ने घाटों पर पहुंचकर पूजा की जगह निर्धारित की और विधि–विधान से घाट बंधान की रस्म पूरी की। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी पूजन सामग्री और व्यवस्था में सहयोग करते नजर आए। कई स्थानों पर परिवार के लोग एक साथ पहुंचकर छठी मइया की आराधना में जुटे रहे। छठ महापर्व की सबसे विशेष बात इसकी कठिन साधना और अटूट आस्था है। इस पर्व में व्रती महिला और पुरुष अपने परिवार की सुख–अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हैं। भगवान सूर्य को जीवन, ऊर्जा और आरोग्य का प्रतीक मानकर उनकी उपासना की जाती है।

सरहरी स्कूल में धूमधाम से मना जनजातीय गौरव दिवस और बाल दिवस

प्रतापपुर,(प्रतिदिन राजधानी)



शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन और राज्य गीत के साथ हुआ।

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज वर्चुअली मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े, वहीं सरपंच मीनमती मंच पर मौजूद रहीं। अध्यक्षता जनपद सदस्य कुंती शिवपाल कुशवाहा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय नारायण कुशवाहा, प्रेमचंद कुशवाहा, उपसरपंच उषा देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने किया। वर्चुअल उद्बोधन में सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई देते हुए भगवान बिरसा मुंडा के साथ–साथ सरगुजा के जनजातीय गौरव माता राजमोहिनी देवी और संत गहिरा गुरु के जीवन पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। प्राचार्य दिलीप तिवारी ने भी संत–महापुरुषों की जीवनी को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

न्योता भोज और पुरस्कार वितरण

14 नवम्बर को बाल दिवस के अवसर पर प्राचार्य द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया गया। इस दौरान स्कूल परिवार द्वारा सभी बच्चों के लिए विशेष न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसका बच्चों ने लुत्फ उठाया। साथ ही जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रंगोली, चित्रकला, भाषण, सांस्कृतिक नृत्य और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

तारा रानी, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह टीम कक्षा 12वीं, द्वितीय बिरसा मुंडा टीम रही।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार 16 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

16 नवंबर को ओडिशा दौरे पर रहेंगे उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन

भुवनेश्वर में विधायकों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में होंगे शामिल, कटक में शैक्षणिक भवन का करेंगे उद्घाटन

भुवनेश्वर। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन 16 नवंबर, 2026 को



ओडिशा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे भुवनेश्वर में ओडिशा विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा कटक स्थित श्री श्री यूनिवर्सिटी के आइकॉनिक टॉवर (शैक्षणिक भवन) का उद्घाटन करेंगे। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने 15 नवंबर को जारी सूचना में उपराष्ट्रपति के निर्धारित दौरे की जानकारी दी है।



बेंगलुरु में महिला सांसदों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे ओम बिरला

दो दिवसीय सम्मेलन में डिजिटल सशक्तीकरण, महिला नेतृत्व और विधायी क्षमता विकास पर होगी चर्चा

बेंगलुरु। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को बेंगलुरु में राष्ट्रमंडल महिला सांसदों के भारत क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन में संसद, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की महिला विधायक डिजिटल समावेशन, नेतृत्व विकास और मार्गदर्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगी।

रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सम्मेलन का विषय 'सुदृढ़ आधार, सशक्त स्वर : समावेशी साइबर जगत और नवागत महिला विधायकों के लिए मार्गदर्शन एवं परामर्श के सशक्त माध्यम' रखा गया है। इसका उद्देश्य डिजिटल सशक्तीकरण, विधायी क्षमता निर्माण और मार्गदर्शन के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी मजबूत करना है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार संबोधित करेंगे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर और विधानसभा अध्यक्ष जी.एस. पाटिल भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।



शराब पीने के दौरान विवाद, दोस्त ने युवक को मारी गोली

लुधियाना के हरगोबिंद नगर में वारदात, गंभीर रूप से घायल युवक अस्पताल में भर्ती; आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना स्थित हरगोबिंद नगर इलाके में शराब पीने के दौरान हुई बहस के बाद एक युवक को उसके ही दोस्त ने कथित तौर पर गोली मार दी। घटना में 22 वर्षीय चेतन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपी विक्की को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बहस के बाद रिवॉल्वर से चलाई गोली

पुलिस के मुताबिक, घटना शनिवार देर रात की है। चेतन और उसका दोस्त विक्की एक साथ शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर विक्की ने कथित तौर पर गुस्से में रिवॉल्वर निकालकर चेतन पर गोली चला दी। गोली लगने से चेतन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

हथियार के स्रोत की जांच में जुटी पुलिस

डिवीजन नंबर-3 के थाना प्रभारी निरीक्षक गुरजीत सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। विशेष रूप से यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी विक्की के पास रिवॉल्वर कहां से आई और उसने जानबूझकर गोली चलाई थी या नहीं। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है।

जनजातीय गौरव दिवस पर संसद परिसर में बिरसा मुंडा को नमन, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने अर्पित की पुष्पांजलि

प्रेरणा स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जुटे शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारी, लोक कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

नई दिल्ली। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 15 नवंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदान को स्मरण किया।

समारोह में विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई संसद सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने प्रेरणा स्थल पहुंचकर जनजातीय नायक के प्रति सम्मान व्यक्त किया।





जनजातीय अधिकारों और उलगुलान का स्मरण

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश के माध्यम से बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि साहस और प्रतिरोध के प्रतीक बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध जनजातीय समुदाय का नेतृत्व किया और उनके अधिकारों, गरिमा तथा पहचान के लिए आवाज बुलंद की। राधाकृष्णन ने उल्लेख किया कि बिरसा मुंडा के 'उलगुलान' के आह्वान ने स्वाधीनता और न्याय के संघर्ष को सशक्त स्वर प्रदान किया। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समुदायों के अमूल्य योगदान का सम्मान करते हुए प्रेरणा स्थल पर हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को प्रेरणादायक बताया।

लोक कलाओं के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत की झलक

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान संसद परिसर का वातावरण जनजातीय संस्कृति के रंगों से सराबोर रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न राज्यों से आए छह जनजातीय लोक कलाकारों ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा स्थल पर अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया। इन जीवंत प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय समुदायों के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत को रेखांकित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2021 से प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज में एकता और गौरव की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।

छठ महापर्व पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं, समाज में सद्भाव और समरसता की कामना

संध्या अर्घ्य पर देशवासियों को दिया संदेश, सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित होने की प्रार्थना





नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रकृति पूजा को समर्पित इस पर्व के माध्यम से समाज में सद्भाव, समरसता और आपसी एकजुटता मजबूत होने की कामना की। साथ ही कहा कि यह पावन अवसर सभी के जीवन में नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए।

प्रधानमंत्री ने छठ महापर्व के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपना शुभकामना संदेश साझा किया। उन्होंने प्रकृति पूजन के महत्व को रेखांकित करते हुए कामना की कि यह पर्व समाज में आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए, साथ ही समाज में सद्भाव एवं समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे। सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित हो। जय छठी मइया!'

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन प्रकाशमय होने की प्रार्थना की और छठी मैया को नमन किया। उन्होंने छठ महापर्व को प्रकृति पूजन के साथ सामाजिक सद्भाव और समरसता को मजबूत करने वाला अवसर बताया।

काहिरा में भारत-मिस्र आर्थिक साझेदारी को नई गति

130 से अधिक भारतीय उद्यमियों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा

- 6.5 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को विस्तार देने पर जोर, संयुक्त व्यापार समिति के 7वें सत्र में निवेश और स्टार्टअप सहयोग पर होगा मंथन

काहिरा। भारत और मिस्र के बीच रणनीतिक व आर्थिक संबंधों को विस्तार देने के उद्देश्य से केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 14 नवंबर 2026 को मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचे। उनके इस आधिकारिक दौरे के साथ 130 से अधिक भारतीय व्यापारिक हस्तियों और स्टार्टअप्स का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी मिस्र गया है। इस यात्रा का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए अवसर तलाशना तथा मौजूदा आर्थिक बाधाओं को दूर करना है।



संयुक्त व्यापार समिति और स्टार्टअप सहयोग पर नजर

यात्रा के दौरान द्विपक्षीय आर्थिक संवाद को आगे बढ़ाने के लिए कई उच्चस्तरीय मंचों पर चर्चा होगी। इसके तहत 15 नवंबर 2026 को काहिरा में भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का 7वां सत्र आयोजित किया जा रहा है, जिसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डॉ. मोहम्मद फरीद सालेह करेंगे। इसके अतिरिक्त भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार परिषद (जेबीसी) की बैठक और भारत-मिस्र व्यापार मंच का भी आयोजन होगा।

कार्यक्रम के तहत पीयूष गोयल मिस्र के वरिष्ठ मंत्रियों, प्रमुख व्यावसायिक प्रतिनिधियों, अफ्रीकन एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक (एफ्रेक्सिमबैंक), इजिप्शियन जूनियर बिजनेसमैन एसोसिएशन और मिस्र-भारत स्टार्टअप फोरम के साथ भी बैठकें करेंगे। इन बैठकों से व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ने की उम्मीद है।

युद्ध स्मारक पर भारतीय सैनिकों को नमन

इससे पहले, दौरे की शुरुआत में पीयूष गोयल ने काहिरा स्थित हेलियोपोलिस वॉर सिमेट्री (युद्ध स्मारक) पहुंचकर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया। उल्लेखनीय है कि इस स्मारक स्थल पर दर्ज या दफनाए गए कुल 4,000 सैनिकों में से 3,727 भारतीय सैनिक थे। इनमें से लगभग 2,000 सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध और करीब 1,700 सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और मिस्र के ऐतिहासिक संबंध अब बहुआयामी 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंच चुके हैं, जिसमें आर्थिक व सुरक्षा सहयोग को प्रमुखता दी जा रही है।

6.5 अरब डॉलर का व्यापार महज शुरुआत

अपनी यात्रा के दौरान पीयूष गोयल ने मिस्र में इंडियन कम्युनिटी एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय को दोनों देशों के बीच 'जीवंत सेतु' बताते हुए द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान की सराहना की।

पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच लगभग 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार, इन दो प्राचीन सभ्यताओं की साझेदारी की महज एक शुरुआत है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में लगभग 70 भारतीय कंपनियां मिस्र में कार्यरत हैं, जिनका कुल निवेश 5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। ये कंपनियां मिस्र के नागरिकों के लिए बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता रणनीतिक जरूरत: राजनाथ सिंह

हैदराबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को उन्नत प्रौद्योगिकियों का केवल उपयोगकर्ता बनने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि महत्वपूर्ण तकनीकों के विकास, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना होगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने 15 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित गैर विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक प्रौद्योगिकियों के 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र में गैर विनाशकारी परीक्षण पर 15वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया।

रक्षा उपकरणों की गुणवत्ता से समझौता नहीं

राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा तैयारियों को मजबूत बनाने के लिए गैर विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) व्यवस्था को सशक्त करना जरूरी है।



यह तकनीक महत्वपूर्ण उपकरणों और पुर्जों को नुकसान पहुंचाए बिना उनमें छिपे दोषों की पहचान करने में सक्षम है। मिसाइलों, विमानों, नौसैनिक प्लेटफॉर्म और अंतरिक्ष यानों की गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है। परीक्षण परिणामों की सटीकता और विश्वसनीयता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

स्वदेशी तकनीक से घटेगी विदेशी निर्भरता

रक्षा मंत्री ने उन्नत सेंसर, निरीक्षण उपकरण और संबंधित सॉफ्टवेयर के स्वदेशी विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने से तकनीकी निर्भरता कम होगी और रक्षा आपूर्ति श्रृंखला अधिक सुरक्षित बनेगी। इसमें सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उद्योगों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और डिजिटल तकनीकों को निरीक्षण व्यवस्था से जोड़ने की आवश्यकता बताई। साथ ही आईडेक्स और प्रौद्योगिकी विकास निधि जैसी पहलों को रक्षा नवाचार के लिए महत्वपूर्ण बताया।

सम्मेलन में दो हजार से अधिक विशेषज्ञ

इंडियन सोसाइटी फॉर नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग द्वारा हैदराबाद में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में 2,000 से अधिक पेशेवर, शोधकर्ता, रक्षा उद्योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में आधुनिक परीक्षण तकनीकों, नवाचार और रक्षा तथा एयरोस्पेस क्षेत्र में उनके उपयोग पर चर्चा की जा रही है।

भारत-इटली के बीच वैज्ञानिक सहयोग को मिलेगी नई मजबूती, अनुसंधानकर्ताओं के लिए बढ़ेंगे अवसर

नई दिल्ली। भारत और इटली के ट्रिएस्टे स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी) के बीच वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करने के लिए 'भारत-आईसीटीपी सहयोग कोष' की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य भारतीय वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं और छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान के अवसर बढ़ाने के साथ वैज्ञानिक आदान-प्रदान को संस्थागत रूप देना है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह के आईसीटीपी दौरे के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और आईसीटीपी के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से डीएसटी के अंतरराष्ट्रीय सहयोग विभाग के प्रमुख डॉ. प्रवीण कुमार सोमसुंदरम ने आशय पत्र का आदान-प्रदान किया।

भारतीय शोधकर्ताओं को मिलेंगे नए अवसर

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सहयोग कोष से भारत और आईसीटीपी की मौजूदा साझेदारी अधिक मजबूत होगी। इससे भारतीय अनुसंधानकर्ताओं के आवागमन, संयुक्त शोध और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने दीर्घकालिक वैज्ञानिक सहयोग को संस्थागत स्वरूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भौतिकी और गणित सहित कई क्षेत्रों में सहयोग

आईसीटीपी भौतिकी, गणित और संबंधित विषयों में उच्च स्तरीय अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय केंद्र है। भारत के डीएसटी, सीएसआईआर, विश्वविद्यालयों और आईआईटी जैसे संस्थान पहले से संयुक्त अनुसंधान, कार्यशालाओं और शैक्षणिक आदान-प्रदान के माध्यम से इससे जुड़े हैं।

भारतीय शोधकर्ताओं को आईसीटीपी के विजिटिंग फेलोशिप, डिप्लोमा और पोस्टडॉक्टरल कार्यक्रमों का लाभ मिलता रहा है। वहीं, आईसीटीपी के विशेषज्ञ उच्च-ऊर्जा भौतिकी, खगोल भौतिकी, जलवायु मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल साइंस जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिक समूहों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री का आईसीटीपी दौरा 11 से 15 नवंबर 2026 तक उनकी आधिकारिक इटली यात्रा का हिस्सा था। नई पहल से दोनों देशों के वैज्ञानिक संस्थानों के बीच अनुसंधान साझेदारी को अधिक व्यवस्थित स्वरूप मिलने की उम्मीद है।

नामसाई के गोल्डन पैगोडा पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, 20 नवंबर तक होंगे दर्शन

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन, तवांग और बोमडिला में 66 हजार से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन







नामसाई (अरुणाचल प्रदेश)। भगवान शाक्यमुनि बुद्ध के पवित्र अवशेष 14 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश के नामसाई स्थित गोल्डन पैगोडा (कोंगमु खाम) पहुंचे। इसके साथ ही राज्य में पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का तीसरा और अंतिम चरण शुरू हो गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक (सेवानिवृत्त) ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यहां 14 से 20 नवंबर 2026 तक श्रद्धालु पवित्र अवशेषों के सार्वजनिक दर्शन कर सकेंगे।

राज्यपाल ने नालुंग हेलीपैड पर पवित्र अवशेषों की अगवानी की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री चाउना मीन, जनप्रतिनिधि और धार्मिक नेता उपस्थित रहे। पारंपरिक विधि-विधान के साथ अवशेषों को गोल्डन पैगोडा में प्रतिष्ठित किया गया।

बौद्ध विरासत पर दो विशेष प्रदर्शनियां

गोल्डन पैगोडा के ध्यान केंद्र में राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ की दो विशेष प्रदर्शनियों का भी उद्घाटन किया गया। इनमें पिपरहवा के पवित्र अवशेषों की खोज, वर्ष 2025 में पिपरहवा रत्न संग्रह की भारत वापसी तथा बौद्ध धर्म की कलात्मक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया है।

तवांग और बोमडिला में 66 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

अरुणाचल प्रदेश में पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी 31 अक्टूबर को तवांग मठ से शुरू हुई थी। यहां 7 नवंबर तक 31 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसके बाद 8 से 13 नवंबर तक बोमडिला के थुबचोग गत्सेल लिंग मठ में 35 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। दोनों स्थानों पर दर्शनार्थियों की कुल संख्या 66 हजार से अधिक रही।

13 वर्षों बाद अरुणाचल प्रदेश पहुंचे इन पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार, राष्ट्रीय संग्रहालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। नामसाई में दर्शन की अवधि समाप्त होने के बाद अवशेषों को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली वापस ले जाया जाएगा।

शांति और करुणा का संदेश आज भी प्रासंगिक

राज्यपाल परनाइक ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि संघर्ष, असहिष्णुता और हिंसा जैसी चुनौतियों के बीच शांति, करुणा, प्रज्ञा और अहिंसा का संदेश विशेष महत्व रखता है। उन्होंने लोगों से इन मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री चाउना मीन ने कहा कि अवशेषों का आगमन श्रद्धालुओं के लिए भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है।

छत्तीसगढ़ शासन

किसानों के सम्मान और समृद्धि का उत्सव



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धान खरीदी उत्सव 2026-27

15 नवंबर 2026 से **धान खरीदी प्रारंभ**

प्रदेश के सभी **3,100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी**

₹3,100 प्रति क्विंटल
की दर से धान खरीदी

₹13,839 प्रति एकड़
की दर से आदान सहायता

21 क्विंटल से कम
धान बेचने पर भी मिलेगी
पूरी आदान सहायता राशि

25.49 लाख कृषक एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत
कृषकों को **नहीं कराना होगा दोबारा पंजीयन**

कृषक कल्याण की
विभिन्न योजनाओं से
₹ 1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
25 लाख किसान
लाभान्वित



बायोमेट्रिक प्रणाली से
पारदर्शी खरीदी व्यवस्था

तुंहर टोकन ऐप से
घर बैठे टोकन व्यवस्था

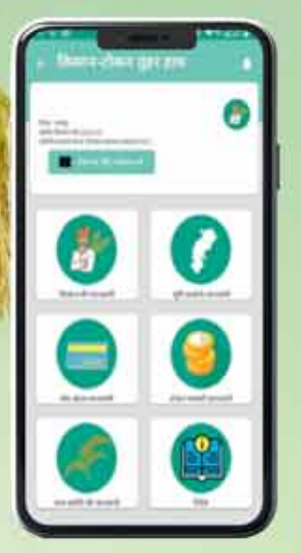

24x7
उपलब्ध

S - 49792

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें